

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २८]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई १५, १९६७ (असाढ़ २४, १८८९)

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 15, 1967 (ASADHA 24, 1889)

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र २० जून, १९६७ तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 20th June, 1967:—

सं० Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
---------------------	---------------------------------	-----------------------------------	-----------------

—NIL—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेजी जायगी।
मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of this Gazette.

विषय सूची (CONTENTS)

पृष्ठ (Pages)	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड १—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर वियत्रों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अभिसूचनाएं .. 637	भाग I—खंड २—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफिसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अभिसूचनाएं .. 681

	पृष्ठ (Pages)		पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	41	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश ..	149
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	537	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संच-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..	493
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम ..	—	भाग III—खंड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें ..	311
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रश्न समितियों की रिपोर्ट ..	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	125
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संच राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश उप-विधय आदि सम्मिलित हैं) ..	1167	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	315
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संच-राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	2303	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	117
		पूरक सं० 28—	
		8 जुलाई 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	1135
		17 जून 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के कहरों में अम्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े ..	1149
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	637	PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2303
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	681	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	149
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence ..	41	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Sub-ordinate Offices of the Government of India ..	493
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence ..	537	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	311
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations ..	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	125
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills ..	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	315
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (I)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1167	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	117
		SUPPLEMENT No. 28—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 8th July 1967 ..	1135
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 17th June 1967 ..	1149

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों
विनियमों तथा आदेशों और अल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the
Supreme Court**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1967

सं० 45-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बलबीर भजु,
पुलिस उप-निरीक्षक,
जिला कछार,
असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरों, राकेट लांचरों आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करों तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत-से जवान बिखर गये। उप-निरीक्षक भजु मुट्ठीभर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

श्री बलबीर भजु ने चौकी की सुरक्षा दक्षता एवं वीरता के साथ की और उपद्रवियों द्वारा चौकी को अधिकार में लेने की अनेक चेष्टाओं को विफल कर दिया। उन्होंने स्वयं एक हल्की मशीनगन ली और उससे सही गोलीबारी कर उपद्रवियों को उलझाये रखा। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न कर वह चौकी में घूम-घूम कर अपने जवानों को उपद्रवियों का दृढ़ता से मुकाबिला करने के लिये उत्साहित करते रहे। श्री भजु ने भारी कठिनाइयों के होते हुए भी असाधारण नेतृत्व एवं साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा

रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 46-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस एवं अग्नि-शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री भद्र कान्त क्योट,
लान्स नायक, 1ली असम पुलिस बटालियन,
असम।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरों, राकेट लांचरों आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करों तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत-से जवान बिखर गये। उपनिरीक्षक भजु मुट्ठीभर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

लान्स नायक भद्र कान्त क्योट उन चन्द प्रतिरक्षकों में से एक था जो आक्रमण के पूरे समय चौकी पर जमा रहा। मार्टरों, राकेटों आदि द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी के बावजूद, श्री क्योट ने वीरता से राक्षस द्वारा गोलीबारी कर उपद्रवियों को उलझाये रखा। यह देखकर कि उपद्रवियों के एक दल ने आड़ के पीछे से आक्रमण कर दिया है श्री क्योट ने एक हथगोला फेंकने का प्रयत्न किया किन्तु एक राकेट के लगने से व्रतक्षण उसकी मृत्यु हो गई।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 47-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जगमलाल तमंग,
कान्स्टेबल सं० 236,
1ली असम पुलिस बटालियन,
असम ।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने ओ माटॅरो, राकेट लांचरो आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार की पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया । पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी । उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी । चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया । उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी । किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये । उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया ।

कान्स्टेबल जगमलाल तमंग ने भारी माटॅर एवं राकेट गोलाबारी के बावजूद अपनी हल्की मशीनगन से सुस्थित गोलाबारी जारी रखी । जब चौकी की युद्ध-सामग्री कम पड़ गयी, तो उसने अपनी स्थिति से कुछ दूर युद्ध-सामग्री बन्कर से उसे लाने का कार्य अपने ऊपर लिया । जब सारा क्षेत्र गोलाबारी की जड़ में था तो उसने युद्ध-सामग्री बन्कर तक कई चक्कर लगाये । जब वह युद्ध-सामग्री ला रहा था तो उसे उपद्रवियों द्वारा छोड़ा एक राकेट लगा और उसकी मृत्यु हो गई ।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा ।

सं० 48-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गभीर चन्द्रबास्पतरा,
लान्स नायक, 1ली असम पुलिस बटालियन,
असम ।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो माटॅरो, राकेट लांचरो आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया । पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी । उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी । चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया । उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में

पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी । किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये । उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया ।

लान्स नायक गभीर चन्द्र बास्पतरा भारी गोलाबारी के दौरान अपनी चौकी पर जमा रहा । जब उसने देखा कि मोर्चों के पास एक टीला उसकी गोलाबारी में फंकावट डाल रहा है तो वह चौकी के घेरे के ऊपर चढ़ा और यह अच्छी तरह जानते हुये कि वह उपद्रवियों की गोलाबारी के बिल्कुल सामने आ गया है, अपनी हल्की मशीनगन से उन पर गोलाबारी शुरू कर दी । उसने उपद्रवियों को भारी क्षति पहुंचायी और उनके बढ़ाव को रोक दिया । जब वह भारी लड़ाई में उलझा हुआ था तो उसे एक राकेट लगा और उसकी मृत्यु हो गयी ।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा ।

सं० 49-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रोहिणी कान्त राय,
कान्स्टेबल सं० 50,
1ली असम पुलिस बटालियन,
असम ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो माटॅरो, राकेट लांचरो आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया । पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी । उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी । चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया । उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी । किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये । उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया ।

कान्स्टेबल रोहिणी कान्त राय चौकी पर तैनात पहला व्यक्ति था जिसने उपद्रवियों को देखा और शोर मचाया । शोर मचाने के चन्द्र मिंटों में ही उसकी चौकी पर एक राकेट द्वारा प्रहार किया गया । श्री राय नुरन्त अपनी हल्की मशीनगन को दूसरी स्थिति पर ले गया और उपद्रवियों को उन्नायाह रखा । इसके पश्चात् हुई कार्रवाई के दौरान श्री राय अपनी चौकी पर जमा रहा और उपद्रवियों पर टीक निशाने से गोलीबारी करना चला । भारी लड़ाई के दौरान उसे एक माटॅर गोला लगा और उसकी टांग उड़ गई । इस गहरे

घाव के बावजूद कान्स्टेबल राय ने प्राथमिक चिकित्सा लेने से इन्कार कर दिया और तब तक गोलीबारी जारी रखी जब तक कि उपद्रवी पीछे न हट गये।

2 यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस एवं अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 50-प्रेञ्च०/67—राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं —

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मोहीराम कोवर,¹

हवलदार,

1ली असम पुलिस बटालियन,

असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरो राकेट लाचरो आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्दूकरो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचाई। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये। उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

हवलदार मोहीराम कोवर को आक्रमण के दौरान युद्ध-सामग्री बन्दूक की रक्षा के कार्य के अतिरिक्त चौकी के पिछले पश्चिमी भाग की रखवाली करने का कार्य भी सौंपा गया। भारी रुकावटों के होते हुए भी वह वीरता से लड़ता रहा और उपद्रवियों को दूर ही रखा। कुछ समय के पश्चात् जब उगने देखा कि युद्ध-सामग्री वाला बन्दूक भारी गोलीबारी की मार में आ गया है तो उसने अकेले ही युद्ध-सामग्री के सारे भण्डार को सुरक्षित स्थान पर हटाया। इस सामयिक कार्यवाही ने अत्यावश्यक युद्ध-सामग्री को बचा लिया जो उपद्रवियों का प्रभावकारी सामना करने के लिये प्रतिरक्षकों के लिये सहायक सिद्ध हुआ। श्री कोवर तब तक अपने मोर्चे पर डटा रहा जब तक कि उपद्रवियों को पीछे न हटा दिया।

2 यह पदक पुलिस नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 51-प्रेञ्च०/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बुद्धि बहादुर क्षेत्री,

हवलदार,

1ली असम पुलिस बटालियन,

असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरो, राकेट लाचरो आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस-उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी का तीन ओर से घेर लिया और भारी गोलीबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्दूकरो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचाई। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये। उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

हवलदार बुद्धि बहादुर क्षेत्री जो एक दूसरी प्लाटून से सम्बन्धित था, ने बिना किसी सहायता के चौकी के खुले पार्श्व की देखरेख के लिये स्वयं को अर्पित किया। आक्रमण के दौरान, श्री क्षेत्री परिधि के साथ-साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना रहा, उपद्रवियों पर गोलीबारी करना रहा और ऐसी धारणा बना दी कि छावनी की मोर्चेबन्दी अक्षत है। वह अग्रिम मोर्चों पर तैनात प्रति-रक्षकों के हताहत होने पर भी सहायता के लिये जाता रहा। श्री बुद्धि बहादुर क्षेत्री ने उच्चस्तर के साहस एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया। वह कई बार जीवन पर आये खतरों के समय भी स्वयं बाहर आया तथा तब तक चौकी पर जमा रहा जब तक कि उपद्रवी पीछे न हट गये।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 52-प्रेञ्च०/67—राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कनक चन्द्र राय,

कान्स्टेबल सं० 265,

1ली असम पुलिस बटालियन,

असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरो, राकेट लांचरों आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये। उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

कान्स्टेबल कनक चन्द्र राय उन चन्द प्रतिरक्षकों में से एक था जो आक्रमण के पूरे समय चौकी पर जमा रहा। भारी कठिनाइयों के होते हुए भी श्री राय ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न कर अदम्य साहस एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 53-प्रेज/67—राष्ट्रपति असम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रूप राम डेका,

कान्स्टेबल सं० 7845,

1ली असम पुलिस बटालियन,

असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

7 जनवरी, 1966 को लगभग 500 उपद्रवियों ने जो मार्टरो, राकेट लांचरों आदि भारी अस्त्रों से लैस थे, उत्तरी कछार पहाड़ियों की एक बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया। पुलिस उप-निरीक्षक बलबीर भजु की कमान में, पहली असम पुलिस बटालियन की दो प्लाटूनें चौकी की रक्षा कर रही थी। उपद्रवियों ने चौकी को तीन ओर से घेर लिया और उस पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। चौकी को आग लगा दी और बहुत से बन्करो तथा अन्दरूनी मोर्चों को नष्ट कर दिया। उप-निरीक्षक बलबीर भजु के योग्य नेतृत्व में पुलिस दल ने बहादुरी से मुकाबिला किया और उपद्रवियों को काफी क्षति पहुंचायी। किन्तु जब उपद्रवियों ने कई दिशाओं से आगे बढ़ना आरम्भ कर दिया तो चौकी पर स्थित बहुत से जवान बिखर गये। उप-निरीक्षक भजु मुट्ठी भर पुलिस जवानों के साथ अपनी स्थिति पर डटे रहे और अन्ततः सुनियोजित आक्रमण को विफल कर दिया।

कान्स्टेबल रूप राम डेका उन चन्द प्रतिरक्षकों में से एक था जो आक्रमण के पूरे समय चौकी पर जमा रहा। कम आयु एवं अल्प नौकरी के होते हुये भी उसने अपनी सुरक्षा की परवाह न कर महान साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 जनवरी, 1966 से दिया जायेगा।

दिनांक 3 जुलाई 1967

सं० 54-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लीलाम्बर राना,

कम्पनी हवलदार मेजर,

5वीं बटालियन (असम),

सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

14 अप्रैल, 1966 को कम्पनी हवलदार मेजर लीलाम्बर राना की कमान में एक गश्तीदल पर मीजो पहाड़ियों में स्थित सोमेशोरी के निकट लगभग 100 उपद्रवियों ने आक्रमण कर दिया। संख्या में बहुत कम एवं सभी दिशाओं से घिर जाने के बावजूद, कम्पनी हवलदार मेजर राना घबराया नहीं। साहस के साथ उसने अपने छोटे से दल के साथ जो लगभग एक टुकड़ी के बराबर था, जवाबी हमला कर दिया और उपद्रवियों को भारी क्षति पहुंचायी। नितान्त बहादुरी एवं साहस के कारण श्री राना ने संख्या में अधिक आक्रमणकारियों को भागने को बाध्य कर दिया। कुछ उपद्रवियों को उनके हथियारों सहित पकड़ लिया गया।

कम्पनी हवलदार मेजर लीलाम्बर राना ने उत्कृष्ट वीरता एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 अप्रैल, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 55-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री प्रेम बहादुर थापा,

कम्पनी हवलदार मेजर,

5वीं बटालियन (असम),

सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

मार्च, 1966 में उपद्रवियों ने मीजो पहाड़ियों में स्थित मारपाड़ा की बाहरी सीमा चौकी पर आक्रमण कर दिया और

उसे नष्ट करने की बार-बार चेष्टायें कीं। उपद्रवी नजदीक की अवलोकन-स्थल चौकी से सीमा सुरक्षा दल चौकी पर ठीक निशाने से गोलीबारी करने में सफल हो गये। कम्पनी हवलदार मेजर प्रेम बहादुर थापा ने अवलोकन-स्थल चौकी को स्वयं नष्ट करने का निर्णय किया। 7 मार्च, 1966 की रात्रि को वह उस अवलोकन-स्थल चौकी तक रेंग कर गया और उसको जला कर नष्ट करने में सफल हो गया। इस कार्यवाही ने उपद्रवियों की गोलीबारी को बिल्कुल अप्रभावी कर दिया। पुनः 28 मार्च को श्री थापा ने उपद्रवियों द्वारा अधिकृत क्षेत्र पर धावा बोल दिया और उपद्रवियों को मुठभेड़ में उलझा कर अनेकों को हताहत कर दिया और काफी उपद्रवियों को उनके हथियारों सहित पकड़ लिया।

उक्त मुठभेड़ में श्री प्रेम बहादुर थापा ने उत्कृष्ट वीरता, पहलशक्ति तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 मार्च, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 56-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लाल बहादुर सरकी,
कान्स्टेबल सं० 247,
5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

17 मार्च, 1966 को जब लगभग 500 उपद्रवियों के एक दल ने मीजो पहाड़ियों में स्थित भारपाड़ा बाहरी सीमा चौकी को घेर लिया तब चौकी की गैरिसन ने दृढ़ता से आक्रमण का मुकाबला किया और उपद्रवियों द्वारा चौकी को नष्ट करने के लिये बार-बार किये गये हमलों को विफल कर दिया। इस मुठभेड़ के दौरान, कान्स्टेबल लाल बहादुर सरकी एक हल्की मशीन गन का चालक था। उसने अपनी मशीन गन को ऐसी दक्षता और यथार्थता से संचालित किया कि उपद्रवी उसके सामने से गुजरने में असफल हो गये। फलस्वरूप उसके मोर्चे पर उपद्रवियों की भारी गोलीबारी होने लगी किन्तु श्री सरकी अपनी स्थिति पर डटा रहा और तब तक महान साहस तथा दृढ़ निश्चय से लड़ता रहा जब तक कि वह प्राण-घातक रूप से घायल न हो गया।

उक्त मुठभेड़ के दौरान, श्री लाल बहादुर सरकी ने उत्कृष्ट वीरता, पहलशक्ति और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 17 मार्च, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 57-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करने हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री खैन्द्र प्रसाद क्षेत्री,
कान्स्टेबल सं० 22, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल। (स्वर्गीय)
श्री केश बहादुर दमाई,
कान्स्टेबल सं० 232, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल। (स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

16 मई, 1966 को एक कुमुक टुकड़ी जो मीजो पहाड़ियों में स्थित बनघुन की ओर जा रही थी, उपद्रवियों की भारी गोलीबारी में आ गई। टुकड़ी कमाण्डर ने तुरन्त जवाबी हमला किया और उपद्रवियों को भारी क्षति पहुंचायी और कुछ शस्त्र तथा युद्ध-सामग्री अधिकार में कर ली। इस मुठभेड़ के दौरान, कान्स्टेबल खैन्द्र प्रसाद क्षेत्री ने महान साहस एवं दृढ़संकल्पता का परिचय दिया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक परवाह न कर वह उपद्रवियों पर झपटा और उन्हें काफी क्षति पहुंचायी। इस शौर्यपूर्ण कार्यवाही के बीच उसे एक गोली लगी जिस से उसकी मृत्यु हो गई।

कान्स्टेबल केश बहादुर दमाई ने जो टुकड़ी का एक सदस्य था, अकेले ही उपद्रवियों के ठिकानों में से एक पर आक्रमण कर दिया और उन्हें काफी क्षति पहुंचायी। मुठभेड़ के दौरान वह बुरी तरह घायल हो गया। हालांकि वह बिल्कुल हिलजुल नहीं सकता था फिर भी वह अपनी स्थिति पर जमा रहा और तब तक उपद्रवियों की टुकड़ियों पर गोलीबारी करता रहा जब तक कि घावों के कारण उसकी मृत्यु न हो गई।

कान्स्टेबल खैन्द्र प्रसाद क्षेत्री एवं कान्स्टेबल केश बहादुर दमाई ने उत्कृष्ट वीरता, साहस एवं उच्चतम स्तर की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया और कर्तव्य पालन करते हुए अपने जीवन बलिदान कर दिये।

2. ये पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 मई, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 58-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री पदम बहादुर गुर्खंग,
पुलिस उप-निरीक्षक,
5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।
श्री शैलेन्द्र नाथ बानिक,
हवलदार, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।
श्री फनाधर थापा,
कान्स्टेबल सं० 85, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

मार्च, 1966 में, मीजों पहाड़ियों में स्थित डेमागिरी की बाहरी सीमा चौकी पर, जिसकी रक्षा सीमा सुरक्षा दल की 5वीं असम बटालियन की एक प्लाटून कर रही थी, लगभग 500 उपद्रवियों ने आक्रमण कर दिया। चौकी की गैरिसन ने बलपूर्वक उसका मुकाबला किया और उपद्रवियों को दूर रखा किन्तु उनकी युद्ध-सामग्री एवं रसद कम होती जा रही थी। 12 मार्च को हवाई अड्डा से उनके लिये सामग्री गिराई गई पर दुर्भाग्यवश बहुत सारी सामग्री उपद्रवियों द्वारा अधिकृत क्षेत्र में गिर गई। क्योंकि इस सामग्री को पाना अतिआवश्यक था अतः उप-निरीक्षक पदम बहादुर गुरुंग ने प्रशंसनीय साहस एवं दृढ़ निश्चय से अपनी प्लाटून की एक टुकड़ी के साथ उस क्षेत्र पर तुरन्त आक्रमण कर दिया और उपद्रवियों को वहां से बहिष्कृत करने में सफल हो गया।

इस कार्यवाही के दौरान, हवलदार शैलेन्द्र नाथ बानिक एवं कान्स्टेबल फनाधर थापा उपद्रवियों से हाथापाई में जूझ गये और उनमें से कईयों को जान से मार दिया। इस मुठभेड़ में, श्री बानिक एवं श्री थापा ने उपद्रवियों के उन हथियारों को भी छीन लिया जो उनपर लक्ष्य किये गये थे। इस प्रकार के साहस और निश्चयता से पुलिस का छोटा दल उपद्रवियों द्वारा भली प्रकार से खोदी गई खाइयों के क्षेत्र को साफ करने में सफल हो गया।

इस प्रकार सर्वश्री पदम बहादुर गुरुंग, शैलेन्द्र नाथ बानिक एवं फनाधर थापा ने उत्कृष्ट वीरता, पहलशक्ति तथा कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 मार्च, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 59-प्रेज/67—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निर्मांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री गोलक चन्द्र कोच,
हवलदार, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।
श्री भीम बहादुर करकी,
हवलदार, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।
श्री राय सिंह,
हवलदार, 5वीं बटालियन (असम),
सीमा सुरक्षा दल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

1वीं मार्च, 1966 को मीजों पहाड़ियों में स्थित चांगटे की सीमा सुरक्षा दल की चौकी को लगभग 300 उपद्रवियों ने घेर लिया। उपद्रवियों द्वारा सभी दिशाओं से स्वचालित हथियारों से केन्द्रित आक्रमण के बावजूद वे चौकी को नष्ट न कर सके क्योंकि पुलिस प्लाटून वीरता से उनका मुकाबला करती रही। उपद्रवियों ने तब चौकी के सभी मार्ग बन्द कर दिये। बेतार संचार

व्यवस्था न होने के कारण पुलिस प्लाटून के लिये अपने मुख्यालय से सम्बन्ध स्थापित करना सम्भव नहीं था। आत्मसमर्पण की चुनौतियों को अस्वीकार करते हुए हवलदार गोलक चन्द्र कोच ने उपद्रवियों के विरुद्ध लड़ते रहने का निश्चय किया। जब रसद कम हो गई तो उनमें खाने-पीने की चीजों तथा युद्ध-सामग्री का राशन सख्ती से लागू कर दिया। उनके योग्य नेतृत्व में उपद्रवियों द्वारा 16 दिनों में किये गये अनेकों हमलों को उस छोटे पुलिस दल ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया। इस घरेलून्दी के दौरान श्री भीम बहादुर करकी और श्री राय सिंह ने बाहरी चौकी की रक्षा में अपनी टुकड़ियों का साहस एवं दृढ़ता से नेतृत्व किया और अन्ततः उपद्रवियों को भगाने में सफल हो गये।

इस प्रकार सर्वश्री गोलक चन्द्र कोच, भीम बहादुर करकी एवं राय सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, पहलशक्ति और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 मार्च, 1966 से दिया जायेगा।

ब० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप-सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1967

सं० 8-8/67-सी०सी०-II—भारत सरकार ने परिषद् के संगठन विषयक भारत सरकार के संकल्प संख्या 6-8/65-पुनर्गठन (सी०सी०) दिनांक 21 दिसम्बर 1965 के अनुसार गन्ना विकास के क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली के निदेशक को भारतीय गन्ना विकास परिषद् का सदस्य-सचिव नियुक्त करने का निश्चय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प समस्त राज्य सरकारों आदि को भेज दिया जाये तथा इसे सर्वसाधारण की जानकारी हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

दिनांक जुलाई 1967

सं० 7-14/67-क्रम० क्राप्स II—परिषद् के संकल्प विषयक भारत सरकार के संकल्प संख्या 6-1/65-रिआर्ग० (सी०सी०), दिनांक 16 अप्रैल, 1966 के अनुसार भारत सरकार ने निर्णय किया है कि क्षेत्रीय कार्यालय, तिलहन विकास, हैबराबाद के निदेशक कृषि विभाग के उप-सचिव के स्थान पर भारतीय तिलहन विकास परिषद् के सदस्य-सचिव होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि समस्त राज्य सरकारों को भेजी जाये और जनसाधारण की सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एम० जे० मजूमदार, अतिरिक्त सचिव

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1967

सं० एफ० 7-15/67-टी० 6—भारतीय खनन स्कूल, धनबाद की शासी परिषद् के सदस्यों की कार्यविधि; जिनकी नियुक्तिया समय-समय पर संशोधित शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एफ० 7-17/64-टी० I, दिनांक 22 अगस्त, 1964 द्वारा अधिसूचित की गई थी, 25 अप्रैल, 1967 को समाप्त होने पर; इस्पात, खनन तथा ईंधन मंत्रालय भारत सरकार के संख्या 315 (1)/57-एम० III, दिनांक 4 मई, 1957 और समय-समय पर संशोधित संकल्प के उपबन्धों के अनुसार शासी परिषद् का 26 अप्रैल, 1967 में निम्न प्रकार पुनर्गठन किया जाता है :—

प्रध्वस्य

- (1) श्री जी० के० चन्दीरामाणी, शिक्षा सलाहकार (तकनीकी) तथा अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

सदस्य

- (2) डा० डी० पी० अंतिया, उप-प्रबन्ध निदेशक, यूनिजन कारबाइड इण्डिया लि०, पो० बाधस 2170, कलकत्ता-1 (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के नामित)।
- (3) श्री आर० एन० वासुदेव, संयुक्त सचिव, इस्पात, खनन तथा धातु मंत्रालय, (खनन तथा धातु विभाग) नई दिल्ली (इस्पात, खनन तथा धातु मंत्रालय के प्रतिनिधि)।
- (4) श्री जी० एन० वासवानी, उप शिक्षा सलाहकार (तकनीकी), शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, (शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि)।
- (5) डा० (कुमारी) कौमुदी, उप वित्त सलाहकार (शिक्षा), वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली, (वित्त मंत्रालय की प्रतिनिधि)।
- (6) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् का प्रतिनिधि, (बाद में अधिसूचित किया जाएगा)।
- (7) डा० वी० पी० ज्ञानी, रसायन विभागाध्यक्ष, रांची विश्वविद्यालय, रांची, (रांची विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि)।
- (8) श्री डी० पी० आर० कस्मद, दी सेंट्रल प्रोविमिरा मिडिकेट प्राइवेट लि०, डोली डेल, बैरमजी टाउन, नागपुर-I (गैर-सरकारी)।
- (9) श्री एस० के० नरगुन्दकर, दी सिंगरेनी कोलिरीज कम्पनी लि०, कौधागुदियम कोलिरीज, पो० भद्राचलम रोड, स्टेशन (केन्द्रीय रेल) आंध्र प्रदेश (गैर-सरकारी)।

- (10) श्री बी० एच० इंजीनियर,

टाटा आइरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड,
जमादोबा, जीलगोरा
पो० धनबाद (गैर-सरकारी)।

- (11-12) (पांच गैर-सरकारी सदस्यों के रिक्त निर्वाचन-क्षेत्र)

- (13-14) संसद से दो सदस्य—राज्य सभा और लोक सभा से एक-एक (बाद में अधिसूचित किए जायेंगे)।

- (15) कोयला खनन सलाहकार,

इस्पात, खनन तथा धातु मंत्रालय,
(खनन तथा धातु विभाग), नई दिल्ली (पदेन)।

- (16) निदेशक, भारत का भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,
27, चौरंगी रोड, कलकत्ता-13 (पदेन)।

- (17) मुख्य खनन निरीक्षक

नया पदनाम, महा-निदेशक, खनन सुरक्षा, धनबाद
(पदेन)।

- (18) प्रोफेसर डी० एन० प्रसाद,

निदेशक, भारतीय खनन स्कूल,
धनबाद (पदेन)।

2. भारतीय खनन स्कूल, धनबाद सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अधीन 1 जुलाई, 1967 से एक सोसायटी के रूप में परिवर्तित हो जाएगा। सोसायटी के संस्था ज्ञापन-पत्र के उपबन्धों के अधीन स्कूल की शासी परिषद् सोसायटी के पंजीबद्ध होने से तत्काल पहले जिस रूप में कार्य कर रही है, इसी प्रकार कार्य करती रहेगी और सोसायटी के नियम तथा विनियमों के अन्तर्गत स्कूल के लिए एक कार्यकारी बोर्ड के गठित होने तक सोसायटी एक कार्यकारी बोर्ड के रूप में कार्य करेगी। किन्तु नियमों के अधीन कार्यकारी-बोर्ड का गठन होने पर शासी परिषद् के ऐसे सदस्य जो गठन से पहले सदस्य थे, सदस्य न रहेंगे। इस संबंध में एक सरकारी संकल्प भी जारी कर दिया गया है।

जी० एन० वासवानी,
उप-शिक्षा सलाहकार (तकनीकी)

संचार विभाग**डाक-तार बोर्ड**

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1967

सं० 29-1/67-एल०आई०—31 मार्च, 1966 को डाकघर बीमा कोष की देयताओं के जीवनांकिक मूल्यांकन के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 1966 को चालू डाक जीवन बीमा पालिसियों के धारकों को राष्ट्रपति ने बीमा की गई राशि के अनिवार्य तथा उसी के साथ अदा करने के लिए साधारण प्रत्यावर्ती बोनस मंजूर किया है जोकि 1 अप्रैल, 1963 और 31 मार्च, 1966 के बीच जितनी भी अवधि के लिए पालिसियां चालू रही हों उसके प्रत्येक पूरे माह के लिए नीचे दी गई दरों पर दिया जाएगा—

- (i) आजीवन पालिसियां बीमा की गई राशि पर प्रति-वर्ष 23 रु० प्रति हजार।
- (ii) समवर्ष बीमा पालिसियां बीमा की गई राशि पर प्रति-वर्ष 17 रु० प्रति हजार।

2. परिवर्तित पालिसियों के मामले में बोनस सम्बन्धित पालिसियों पर 31 मार्च, 1966 को उनकी स्थिति के अनुसार दिया जाएगा।

3. (क) उन पालिसियों के सम्बन्ध में जिनके दावे 1 अप्रैल, 1966 से 31 मार्च, 1967 के बीच (दोनों दिन शामिल हैं) तैयार हो गए थे। 1 अप्रैल, 1966 से दावे के तैयार होने की तारीख से दौरान आजीवन पालिसियों की बीमा की गई राशि पर प्रतिवर्ष 23 रु० प्रति हजार तथा समर्पण बीमा पालिसियों की बीमा की गई राशि पर प्रतिवर्ष 17 रु० प्रति हजार की दर से प्रत्येक पूरे माह के लिए, जिसमें पालिसियां चालू नहीं, दिया जाने वाला बोनस दे दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त आजीवन पालिसियों की बीमा की गई राशि पर 77 रु० (सत्तर रुपये) प्रति हजार तथा समर्पण बीमा पालिसियों की बीमा की गई राशि पर 33 रु० (तीस रुपये) प्रति हजार का एक विशेष बोनस दिया जाएगा, चाहे 1 अप्रैल, 1966 के बाद वह किसी भी अवधि के लिए चालू रही हो।

(ख) 1 अप्रैल, 1966 से 31 मार्च 1967 को चालू सभी पालिसियों की बीमा की गई राशि आजीवन पालिसियां होने पर 10 प्रतिशत तथा समर्पण बीमा पालिसियां होने पर 5 प्रतिशत बढ़ा दी जाएगी। इस वृद्धि में 31 मार्च 1967 को समाप्त होने वाले वर्ष का बोनस भी हिसाब में ले लिया जाएगा, अतः इन पालिसियों पर 31 मार्च, 1967 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आगे कोई और बोनस नहीं दिया जाएगा। किन्तु भविष्य में बीमा की बढ़ी हुई राशि पर बोनस दिया जाएगा।

(ग) उन पालिसियों के सम्बन्ध में मृत्यु या उत्तरजीवी रह जाने के कारण 1 अप्रैल, 1967 तथा अगले मूल्यांकन की तारीख के बीच जिनके दावे तैयार हो गए अथवा हो जाएंगे प्रत्येक पूरे महीने के लिए जिसके दौरान कि 1 अप्रैल, 1967 से उस तारीख तक जबकि दावा तैयार हुआ हो या हो जाएगा, ये पालिसियां चालू रहें या रहती हैं, बोनस निम्न दरों से दिया जाएगा—

(i) आजीवन बीमा पालिसियां बीमा की गई राशि पर प्रतिवर्ष 23 रु० प्रति हजार

(ii) समर्पण बीमा पालिसियां बीमा की गई राशि पर प्रतिवर्ष 17 रु० प्रति हजार।

(घ) उपर्युक्त (क) तथा (ग) के अंतर्गत बोनस मृत्यु या अवधि पूर्ण होने की तारीख को मौजूद बीमा की गई राशि पर दिया जायेगा।

1 अप्रैल, 1966 तथा 31 मार्च, 1967 (दोनों दिन शामिल हैं) के बीच समर्पित पालिसियों पर बोनस के नकद समर्पण मूल्य के बराबर आजीवन पालिसियों की बीमा की गई राशि पर प्रतिवर्ष 23 रु० प्रति हजार और समर्पण बीमा पालिसियों की बीमा की गई राशि पर 17 रु० प्रति हजार की दर से बोनस दिया जाएगा, जो कि उतनी अवधि के लिए दिया जाएगा, जिसमें कि पालिसियां चालू रही हों। किन्तु उन पर उपर्युक्त (क) में उल्लिखित विशेष बोनस नहीं दिया जाएगा। 1 अप्रैल, 1967 तथा अगले मूल्यांकन के बीच समर्पित अथवा समर्पित होने वाली पालिसियों पर उपर्युक्त

(ग) में निर्दिष्ट बोनस के नकद समर्पण मूल्य के बराबर बोनस दिया जाएगा जोकि उतनी अवधि के लिए दिया जाएगा जिसमें कि 1 अप्रैल, 1967 के बाद पालिसी चालू रही हो।

4. किसी भी पालिसी पर दिये जाने वाले बोनस की गणना करते समय एक रुपये के किसी भी भाग को निकटतम रुपये में बदल दिया जाएगा (अर्थात् 50 पैसे या उससे अधिक की रकम की राशि के अगले रुपये में बदल दिया जाएगा)।

एस० के० घोष, निवेशक,
डाक जीवन बीमा तथा शिकायत

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

संकल्प

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 जून 1967

सं० 7/1/67-एफ०आई०—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संकल्प संख्या 7/19/64-एफ० आई० तारीख 21 नवम्बर, 1964 का अधिक्रमण करते हुये, फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के बारे में निम्नलिखित नियम अधिसूचित किए जाते हैं :—

1. इन नियमों को फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के नियम कहा जाएगा।

2. इन नियमों का उद्देश्य उच्च कलात्मक और तकनीकी स्तर की तथा सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना है।

3. प्रविष्टियां भारत सरकार की अधिसूचना, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी, में निर्धारित तिथि तक पुरस्कारों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए प्रतिवर्ष आमंत्रित की जाएगी :—

अखिल भारतीय पुरस्कार

1. फीचर फिल्में

(क) राष्ट्रीय सर्वोत्तम फिल्म

राष्ट्रीय सर्वोत्तम फिल्म के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक और उसके निर्माण को 20,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(ख) श्रेष्ठ साहित्यिक कृति पर आधारित फिल्म

प्राचीन या आधुनिक उत्कृष्ट साहित्यिक रचना, जिसमें उच्च कलात्मक मूल्य की प्रेम कहानी भी सम्मिलित है, पर आधारित सर्वोत्तम फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का और उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(ग) ऐतिहासिक फिल्म

सर्वोत्तम ऐतिहासिक फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

(ब) राष्ट्रीय एकता व भावात्मक समन्वय को प्रोत्साहन देने वाली फिल्म

राष्ट्रीय एकता व भावात्मक समन्वय को प्रोत्साहन देने वाली फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

(क) सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण पर आधारित फिल्म

उच्च सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण, उदाहरण के तौर पर छुआ-छूत समाप्त करने, शांति और अहिंसा के संदेश का प्रचार करने लोकतंत्रीय जीवन पद्धति, सहकारी विकार आदि, पर आधारित सर्वोत्तम फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

(च) परिवार नियोजन सम्बन्धी फिल्म

परिवार नियोजन पर सर्वोत्तम फिल्म के निर्माता को 10,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

(छ) पहली फिल्म

सर्वोत्तम पहली फिल्म के निर्माता को 5,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 2,500 रुपए का नकद पुरस्कार ।

(ज) स्क्रीन प्ले

पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट हुई और पुरस्कार समिति द्वारा जांची गई फीचर फिल्मों के सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले लेखक और या कहानी लेखक को 2,500 रुपए का नकद पुरस्कार । यदि स्क्रीन प्ले लेखक और कहानी लेखक को अलग-अलग व्यक्ति होंगे, तो पुरस्कार दोनों में बराबर-बराबर बांटा जाएगा ।

नोट 1— इस नियम के (ख) से (छ) तक में उल्लिखित किसी भी श्रेणी में प्रविष्ट फीचर फिल्में उपर्युक्त नियम 3(1) (क) के अन्तर्गत राष्ट्रीय सर्वोत्तम फिल्म के पुरस्कार के लिए प्रतियोगिता में शामिल हो सकेंगी । लेकिन, इस पुरस्कार को जीतने वाली फिल्म उपनियम 3(ख) से (छ) तक की श्रेणियों के किसी भी पुरस्कार की हकदार नहीं होंगी ।

नोट 2—(ग) और (छ) श्रेणियों के अन्तर्गत पुरस्कार 1968 से चालू होंगे अर्थात् 1967 में बनी फिल्मों पर इन पुरस्कारों के लिए विचार किया जाएगा ।

2. डाकूमेंट्री फिल्में

सर्वोत्तम फिल्म के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक और उसके निर्माता को 5,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 2,500 रुपए का नकद पुरस्कार ।

3. शैक्षणिक फिल्में

सर्वोत्तम फिल्म के लिए राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक और उसके निर्माता को 5,000 रुपये का तथा उसके निर्देशक को 2,500 रुपए का नकद पुरस्कार ।

4. प्रयोगात्मक फिल्में

सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म के निर्माता को 5,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 2,500 रुपए का नकद पुरस्कार ।

5. बाल फिल्में

सर्वोत्तम फिल्म के लिए प्रधान मंत्री का स्वर्ण पदक और उसके निर्माता को 10,000 रुपए का तथा उसके निर्देशक को 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

6. प्रादेशिक फिल्में

प्रत्येक भारतीय भाषाओं की सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रपति का रजत पदक ।

स्पष्टीकरण

यहां पर 'निर्माता' और 'निर्देशक' और स्क्रीन प्ले लेखक/कहानी लेखक शब्दों से अभिप्राय क्रमशः उस निर्माता, निर्देशक या स्क्रीन प्ले लेखक/कहानी लेखक से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित फिल्म के शीर्षक में होगा ।

3. (2) सरकार चाहे तो नकद पुरस्कार, राष्ट्रीय रक्षा पत्रों और रक्षा जमपत्रों या भारत सरकार द्वारा जारी किए गए इस प्रकार के अन्य धन-पत्रों के रूप में दे सकेगी ।

4. केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित सभी भारतीय फिल्मों जो पूर्वगामी कैलेंडर वर्ष में बनी होंगी, प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकेंगी और निर्माता या अन्य कोई विधिवत् अधिकृत व्यक्ति संलग्न अनुसूची में दिए गए फार्म में प्रविष्ट भेज सकेगा ।

बशर्ते कि पुरस्कार के लिए एक फिल्म नियम 3(1) (ख) से (छ) तक में उल्लिखित फीचर फिल्मों, डाकूमेंट्री, शैक्षणिक, प्रयोगात्मक और बाल फिल्मों की श्रेणियों में से केवल एक ही श्रेणी में प्रविष्ट हो सकेगी ।

5. फीचर फिल्म की प्रविष्टि के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ 100 रुपया फीस भी भेजनी होगी जो वापिस नहीं की जायेगी ।

प्रत्येक प्रवेशक केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के प्रादेशिक अधिकारी या किसी अन्य निर्दिष्ट अधिकारी को निम्नलिखित चीजें अपने खर्च पर भेजेगा :—

(1) फिल्म की प्रिंट; और

(2) अंग्रेजी या हिन्दी अनुवाद के साथ कथा रूपरेखा की एक प्रति और यदि गानें हों तो अंग्रेजी या हिन्दी में भावानुवाद के साथ एक प्रति ।

केन्द्रीय समिति के देखने के लिए चुनी गई फिल्म के प्रवेशक को अपने खर्च पर फिल्म की प्रिंट और रूपरेखा के अतिरिक्त अंग्रेजी या हिन्दी में, अपेक्षित संख्या में, विस्तृत कथोपकथन की प्रतियां और फिल्म से सम्बन्धित प्रचार सामग्री भी भेजनी होगी ।

6. कोई फिल्म पुरस्कारों के लिए प्रविष्टि के योग्य है या नहीं और कोई फिल्म फीचर, डाकूमेंट्री, शैक्षणिक, प्रयोगात्मक या बाल फिल्म है, इस संबंध में भारत सरकार का निर्णय अन्तिम होगा ।

प्रविष्टि के लिये बाल फिल्मों की अधिकतम लम्बाई 35 मि० मी० में 3,400 मीटर या 16 मि० मी० में 1,360 मी० होगी ।

7. यदि कोई फिल्म किसी ऐसी फिल्म का डब (भाषांतर), रि-टेक या रूवानर है, जो पहले राजकीय/राष्ट्रीय पुरस्कार या चुकी हो, तो राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ उस पर विचार नहीं होगा ।

यदि किसी फिल्म के एक से अधिक भाषाओं में रूपांतर हों, तो उसका निर्माता, उस फिल्म का केवल एक ही भाषा में रूपांतर प्रविष्ट कर सकेगा।

8. पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियों की तारीख सरकार द्वारा अधिसूचित की जायेगी और अपवाद स्वरूप ही सरकार की मर्जी पर उस में छूट दी जा सकेगी।

9. फिल्मों और प्रचार सामग्री के लाने ले जाने पर जो खर्च होगा, वह सारा प्रवेशक को देना होगा।

10. सभी फिल्मों मालिक के जोखिम पर भेजी जायेंगी और यद्यपि सरकार उन सभी फिल्मों की समुचित देखभाल करेगी, फिर भी उसके पास रहते समय किसी फिल्म के गुम या खराब हो जाने की जिम्मेवारी सरकार पर नहीं होगी।

11. नीचे दी गई प्रत्येक भाषा के लिए एक प्राथमिक समिति होगी जिसमें अध्यक्ष सहित अधिक-से-अधिक 5 सदस्य होंगे, जो सरकार द्वारा नियुक्त किये जायेंगे :—

असमिया, बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, हिन्दी, (उर्दू, हिन्दुस्तानी और भोजपुरी राजस्थानी मैथिली जैसी सम्बन्धित बोलियों सहित) कन्नड़, कश्मीरी मलयालम, मराठी, (कोंकनी सहित) उड़िया, पंजाबी सिंधी तमिल और तेलुगु।

यदि किसी भाषा विशेष में प्रविष्टियों की संख्या तीन से अधिक नहीं होगी, तो उस भाषा विषयक कोई प्राथमिक समिति गठित नहीं की जायेगी और ये फिल्मों सीधी सम्बन्धित प्रादेशिक समिति द्वारा देखी जायेंगी। अध्यक्ष सहित, प्राथमिक समितियों के सदस्य, सरकार द्वारा नियुक्त किये जायेंगे जो कला या साहित्य क्षेत्र में प्रतिष्ठित होंगे और जिनमें फिल्मों के कलात्मक और तकनीकी स्तर की जांच करने की योग्यता है।

12. प्रत्येक प्राथमिक समिति, प्रादेशिक समिति के विचारार्थ, श्रेष्ठताक्रम से, भाषा विशेष की नियम 3(1) (ख) से (छ) तक में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी की अधिक से अधिक पांच फीचर फिल्मों तक की सिफारिश करेगी।

13. सरकार द्वारा नियुक्त निम्नलिखित प्रादेशिक समितियाँ, प्राथमिक समितियों द्वारा सिफारिश की गई फीचर फिल्मों के तथा उन भाषाओं की फिल्मों की परीक्षा करेगी, जिन में प्रविष्टियों की संख्या तीन से अधिक नहीं होगी :—

- (1) प्रादेशिक समिति, बम्बई—हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी भोजपुरी, राजस्थानी और मैथिली जैसी सम्बन्धित बोलियों सहित), मराठी (कोंकनी सहित) पंजाबी, कश्मीरी, गुजराती, सिंधी और अंग्रेजी।
- (2) प्रादेशिक समिति, कलकत्ता—बंगला, असमिया और और उड़िया।
- (3) प्रादेशिक समिति, मद्रास—तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम।

14. प्रत्येक प्रादेशिक समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- (क) सरकार द्वारा नामजद एक अध्यक्ष।
- (ख) सरकार द्वारा नामजद, फिल्म गुण दोष विवेचन, कला या साहित्य क्षेत्र में प्रतिष्ठित अधिक-से-अधिक 6

व्यक्ति। इन व्यक्तियों को चुनने में इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि क्षेत्र की सभी भाषाओं की प्रतिनिधित्व मिल सके।

- (ग) फिल्मों के तकनीकी, स्तर, प्रस्तुति, निर्देशन और विषय प्रतिपादन परखने की योग्यता वाले अधिक-से-अधिक तीन व्यक्ति, जो उद्योग का प्रतिनिधि करने वाले व्यक्तियों की सूची में सरकार द्वारा नामजद किये जायेंगे।

15. प्रादेशिक समिति श्रेष्ठताक्रम से :—

अखिल भारतीय पुरस्कारार्थ केन्द्रीय समिति के विचारार्थ, प्रदेश की प्रत्येक श्रेणी की अधिक-से-अधिक 3 फीचर फिल्मों चाहे वे किसी भी भाषा की हों, और 3 स्त्रीम प्ले लेखकों की एक सूची प्रस्तुत करेगी। इस नियम के लिये नियम 3(1) (ख) से (छ) तक में दी गई फिल्मों की प्रत्येक श्रेणी को अलग-अलग श्रेणी के रूप में समझा जायेगा।

16. प्रादेशिक समितियाँ, केन्द्रीय सरकार को प्रादेशिक पुरस्कार के लिए प्रत्येक भाषा की एक-एक फीचर फिल्म की भी सिफारिश करेगी।

17. पुरस्कारार्थ प्रविष्ट डायुमेट्री और प्रयोगात्मक फिल्मों की आरम्भिक परख सरकार द्वारा नियुक्त डायुमेट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति करेगी जिसमें अध्यक्ष को मिलाकर 5 से अधिक सदस्य नहीं होंगे। यह समिति केन्द्रीय समिति के विचारार्थ श्रेष्ठताक्रम से, छः डायुमेट्री फिल्मों तक की और छः प्रयोगात्मक फिल्मों तक की सिफारिश करेगी।

18. पुरस्कारार्थ प्रविष्ट शैक्षणिक फिल्मों की आरम्भिक परख सरकार द्वारा नियुक्त शैक्षणिक फिल्म समिति करेगी जिसमें अध्यक्ष को मिलाकर 5 से अधिक सदस्य नहीं होंगे। यह समिति, केन्द्रीय समिति के विचारार्थ, श्रेष्ठताक्रम से, छः शैक्षणिक फिल्मों तक सिफारिश करेगी।

19. केन्द्रीय समिति का गठन इस प्रकार होगा :—

- (क) सरकार द्वारा नामजद एक अध्यक्ष।
- (ख) सरकार द्वारा नामजद फिल्म गुण दोष विवेचन, कला या साहित्य क्षेत्र में प्रतिष्ठित अधिक-से-अधिक 6 व्यक्ति।
- (ग) फिल्मों की प्रस्तुति निर्देशक और विषय प्रतिपादन की परख की योग्यता रखने वाले अधिक-से-अधिक तीन व्यक्ति जो उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों की सूची में से सरकार द्वारा नामजद किये जायेंगे।
- (घ) केन्द्रीय समिति इन नियमों के उपबन्धों के अधीन, पुरस्कारार्थ प्रविष्ट बाल-फिल्मों की जांच करेगी।

यदि बाल-फिल्मों की प्रविष्टियों की संख्या काफी अधिक हो, तो सरकार फिल्मों की आरम्भिक परख का काम डायुमेट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति या इस उद्देश्य के लिये गठित विशेष समिति, जिसमें अध्यक्ष को मिलाकर पांच से अधिक सदस्य न होंगे, को सौंप सकती है। ये समितियाँ, श्रेष्ठताक्रम से अधिक-से-अधिक छः फिल्मों केन्द्रीय सरकार समिति के विचारार्थ चुनेगी।

20. नियम 14 और 19 के बावजूद, सरकार केन्द्रीय व प्रादेशिक समितियों में इतने सदस्यों को सह्योजित कर सकेगी, जितने, उस के विचार में इस बात के लिये आवश्यक होंगे कि समिति को जिन-जिन भाषाओं की फिल्मों की जांच करनी है, उसमें उन सब भाषाओं के जानने वाले सदस्यों की पर्याप्त संख्या हो जाए। नियम, 17 और 18 की कोई बात डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति और शैक्षणिक फिल्म समिति को सहायता देने के लिए अतिरिक्त सदस्य या सदस्यों के सह्योजन को नहीं रोकेंगी। इस प्रकार से सह्योजित सदस्यों को साधारण सदस्य के सभी अधिकार प्राप्त होंगे।

21. केन्द्रीय डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म, शैक्षणिक, प्रादेशिक और प्राथमिक समितियों या विशेष समिति (यदि कोई बनाई गई हो) की सदस्यता अवैतनिक होगी लेकिन सदस्यों को सरकार द्वारा समय-समय पर मंजूर सफर और सवारी भत्ते दिए जायेंगे।

22. केन्द्रीय समिति और प्रादेशिक समितियों को यह अधिकार होगा कि वे ऐसी किसी भी फिल्म को, जिसकी प्रादेशिक समितियों या प्राथमिक समितियों द्वारा सिफारिश न की गई हो, मंगा कर उसकी परीक्षा करें और अखिल भारतीय या प्रादेशिक पुरस्कार के लिए उस पर विचार करें।

23. केन्द्रीय समिति, प्रादेशिक समितियों, शैक्षणिक फिल्म समिति और डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति, विशेष समिति (यदि कोई हो), सिफारिशों पर विचार करके अपनी सिफारिशों सहित निम्नलिखित अखिल भारतीय पुरस्कारों के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेंगी :—

- (1) अखिल भारतीय पुरस्कारों के लिए नियम 3 (क) से (छ) तक में बताई गई प्रत्येक श्रेणी के सर्वोत्तम फीचर फिल्म। जो फिल्म राष्ट्र सर्वोत्तम फिल्म चुनी गई जाएगी वह 3 (ख) से (छ) तक की श्रेणियों के लिये पुरस्कार की हकदार नहीं होगी।
- (2) सर्वोत्तम स्कीम प्ले लेखक और/या कहानी लेखक।
- (3) सर्वोत्तम डाकुमेंट्री फिल्म।
- (4) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म।
- (5) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म और
- (6) सर्वोत्तम बाल फिल्म।

24. प्राथमिक समितियां प्रादेशिक समितियां, डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति, शैक्षणिक फिल्म समिति, विशेष समिति (यदि कोई हो) और केन्द्रीय समिति फिल्मों की परख की, अपनी कार्याविधि स्वयं निश्चित करेंगी।

25. केन्द्रीय, शैक्षणिक फिल्म, डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समितियों और विशेष समिति (यदि कोई हो) प्रादेशिक समितियों और प्राथमिक समितियों का कौम संह्योजित सदस्यों को मिलाकर, सदस्यों की कुल संख्या का आधे से कम न होगा।

26. इन नियमों में निहित कोई बात प्राथमिक समिति, प्रादेशिक समिति, डाकुमेंट्री और प्रयोगात्मक फिल्म समिति, शैक्षणिक फिल्म समिति, विशेष समिति या केन्द्रीय समिति के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशेष भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से एक भी फिल्म या किसी प्राथमिक समिति, प्रादेशिक समिति या

केन्द्रीय समिति द्वारा परखी फीचर फिल्मों का एक भी स्क्रीन प्ले लेखक कहानी लेखक पुरस्कार के लिये समुचित स्तर का नहीं है।

27. केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय समिति और प्रादेशिक समितियों की सिफारिशों के आधार पर अखिल-भारतीय और प्रादेशिक पुरस्कारों का निर्णय करेगी।

28. एक फिल्म नियम 3(1) (क) से (छ) तक में उल्लिखित फीचर फिल्मों की श्रेणियों—डाकुमेंट्री, शैक्षणिक प्रयोगात्मक या बाल-फिल्मों में से एक ही के लिये पुरस्कार के योग्य होगी। अखिल-भारतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली फीचर फिल्म प्रादेशिक पुरस्कार नहीं पा सकेगी।

29. प्राथमिक समितियों, प्रादेशिक समितियां, डाकुमेंट्री-प्रयोगात्मक फिल्म समिति, शैक्षणिक फिल्म समिति, विशेष समिति (यदि कोई हो) और केन्द्रीय समिति ऐसे स्थान और समय पर फिल्मों की जांच करेगी, जिसे वे सुविधाजनक समझें।

30. सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कार के लिए प्रविष्ट उस फिल्म की प्रिंट को जिसे पदक और या/नकद के रूप में कोई पुरस्कार मिला हो, बिना किसी मूल्य के अपने पास रख सके।

31. पुरस्कार, प्रतिवर्ष पुरस्कार वितरण समारोह में दिये जायेंगे जिसकी तिथि और जगह सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

32. यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की कोई कोशिश पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जायेगी। यदि केन्द्रीय समिति, डाकुमेंट्री-प्रयोगात्मक फिल्म समिति, शैक्षणिक फिल्म समिति, बाल-फिल्मों के लिए बनी विशेष समिति (यदि कोई बनाई गई हो), प्रादेशिक समितियों या प्राथमिक समितियों का कोई सदस्य किसी विशेष फिल्म के लिये कोशिश पैरवी करता हुआ पाया गया, तो वह समितियों के सदस्यता के लिये अयोग्य घोषित किया जा सकेगा।

अनुसूची

फार्म

फिल्मों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ प्रविष्टि के लिए
(दो प्रतियां भेजनी हैं)।
(नियम 3 को देखें)

सेवा में,

प्रादेशिक अधिकारी

केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड,

बम्बई/कलकत्ता/मद्रास।

फिल्मों के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये प्रविष्टि

1. (1) फिल्म का शीर्षक
- (2) वर्गीकरण फीचर/डाकुमेंट्री (शैक्षणिक/प्रयोगात्मक/बाल फिल्म।
- (3) यदि वह फीचर फिल्म है तो उस श्रेणी को बताइये जिसमें इसको प्रविष्टि कराने का प्रस्ताव है [नियम 3(1) को देखें]।
- (4) फिल्म की भाषा
- (5) फिल्म की लम्बाई और गेज

- (6) रीशों की संख्या ।
- (7) सफेदी रंगीन ।
- (8) निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो उसके साथ) ।
- (9) निदेशक का नाम और पूरा पता ।
- (10) स्क्रीन प्ले लेखक कहानी लेखक का नाम और पूरा पता ।
- (11) नायक और नायिका के नाम और पूरे पते ।
- (12) केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा जारी किये गये प्रदर्शन-प्रमाण-पत्र की संख्या और तारीख ।
- (13) रीलीज होने की तारीख ।

2. कृपया लिखें कि क्या फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रि-टेक है । यदि हाँ, तो जिस फिल्म का यह डब किया हुआ रूप रूपान्तर या रि-टेक है उसका ब्योरा दें ।

*3. यदि प्रविष्टि भेजने वाला व्यक्ति निर्माता नहीं है, तो लिखें कि क्या यह प्रविष्टि भेजने के लिये विधिवत् अधिकृत है ?

*4. मैं प्रमाणित करता हूँ कि यह फिल्म किसी ऐसी फिल्म का डब किया हुआ रूपान्तर या रि-टेक नहीं है जो पहले राजकीय राष्ट्रीय पुरस्कार पा चुकी है ।

*5. मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सच है ।

*6. मैं यह स्वीकार करता हूँ कि यदि इस फिल्म को पदक और/या नकद के रूप में कोई पुरस्कार मिले तो सरकार बिना किसी मूल्य के इस की प्रिंट रख सकेगी ।

*7. "मुझे अखिल भारतीय प्रादेशिक पुरस्कार जीतने वाली फिल्म को फिल्मों के राष्ट्रीय उत्सवों में जिन्हें सरकार राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के उपरान्त आयोजित करे टिकटों की बिक्री के द्वारा जनता के सम्मुख प्रदर्शन करने में आपत्ति नहीं है । मैं यह भी समझता हूँ कि इसको दिखाने में टिकटों की बिक्री से जो आय होगी वह सरकारी कोष में जमा होगी ।"

विनांक
स्थान

हस्ताक्षर
पता

*जो लागू न हो उसको काट दें

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्व-साधारण के सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली-1, विनांक 3 जुलाई 1967

सं० 7/48/(1)/66-एफ० आई०—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संकल्प संख्या 71/167-एफ० आई०, तारीख 29 जून, 1967 में अधिसूचित फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार सम्बन्धी नियमावली के नियम 8 के अनुसार, फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारार्थ प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाती हैं । प्रविष्टियाँ 1966 के कैलेंडर वर्ष में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए

प्रमाणित की गई भारतीय फिल्मों की निम्नलिखित श्रेणियों के सम्बन्ध में ही भेजी जा सकेंगी:—

1 फीचर फिल्में

- (1) प्राचीन या आधुनिक उत्कृष्ट साहित्यिक रचना, जिसमें उच्च कलात्मक मूल्य की प्रेम कहानी भी सम्मिलित है, पर आधारित फिल्में ।
- (2) राष्ट्रीय एकता और भावार्थक समन्वय को प्रोत्साहन देने वाली फिल्में ।
- (3) सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण युक्त फिल्में ।
- (4) परिवार नियोजन सम्बन्धी फिल्में ।

2 डाकुमेंट्री फिल्में

3 शैक्षणिक फिल्में

4 प्रयोगात्मक फिल्में

5 बाल फिल्में

2 उपरि उल्लिखित फीचर फिल्मों की श्रेणियों तथा अन्य श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी के बारे में प्रविष्टियाँ उसके/उनके निर्माता/निर्माताओं या उस/उन द्वारा विधिवत् अधिकृत किसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा 20 जुलाई, 1967 तक भेज दी जाएं । प्रविष्टियाँ ऊपर बताई गई नियमावली से संलग्न अनुसूचि में निर्धारित फार्म में, दो प्रतियों में, भेजनी चाहिए । फीचर फिल्म विषयक प्रविष्टि फार्मों के साथ मुख्य शीर्षक "एल-II मिसलेनिअस" के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के छाते में जमा करवाई गई 100 रुपए की प्रविष्टि फीस सम्बन्धी टैजरी की रसीद भी भेजनी चाहिए ।

3. विभिन्न प्रकार की फिल्मों के बारे में प्रविष्टियाँ नीचे दिए गए अधिकारियों के पास भेजनी चाहिए:—

(क) प्रादेशिक अधि- (1) हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी कारी केन्द्रीय और भोजपुरी, राजस्थानी फिल्म सेंसर बोर्ड, और मैथिली जैसी मिलती 91-बालकेश्वर जुलसी बोलियों सहित), रोड, बम्बई-6 । पंजाबी, कश्मीरी, गुजराती, मराठी (कॉकनी सहित), सिंधी और अंग्रेजी ।

(2) सभी भाषाओं की डाकु-मेंट्री फिल्में ।

(3) सभी भाषाओं की प्रयोगात्मक फिल्में ।

(4) सभी भाषाओं की बाल फिल्में ।

(5) सभी भाषाओं की शैक्षणिक फिल्में ।

(ख) प्रादेशिक अधि- बंगला, उड़िया और कारी केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, आसमिया की फीचर रोडियो बिल्डिंग, एडन फिल्में । गार्डन्स, कलकत्ता ।

(ग) प्रादेशिक अधि-कारि, केन्द्रीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड, ब्लाक-3, पाँचवा तल, सेंट्रल गवर्नमेंट बिल्डिंग, 35 हैडोज रोड, मद्रास।

4. फ़ीचर फ़िल्म के प्रवेशक को केन्द्रीय फ़िल्म सेंसर बोर्ड के उपयुक्त प्रादेशिक अधिकारी या किसी अन्य निविष्ट अधिकारी को, अपने खर्च पर, फ़िल्म की एक अच्छी प्रिंट और अंग्रेजी या हिन्दी अनुवाद के साथ तथा रूप रेखा और गानों की जतनी ही प्रतियाँ भेजनी होंगी जितनी इस सम्बन्ध में निर्धारित की जाएगी। केन्द्रीय समिति के देखने के लिए चुनी गई फ़िल्म के प्रवेशक को अपने खर्च पर फ़िल्म की प्रिंट और कथा रूप रेखा के अतिरिक्त, अंग्रेजी या हिन्दी में, निर्धारित संख्या में विस्तृत कथोपकथन की प्रतियाँ और फ़िल्म से सम्बन्धित प्रचार सामग्री भी भेजनी होगी।

5. पुरस्कार के लिए भेजे जाने वाली बाल फ़िल्म की लम्बाई 35 मिलिमीटर में 3,400 मीटर या 16 मिलिमीटर में, 1,360 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। जो फ़िल्म बाल फ़िल्म के रूप में प्रविष्ट होगी वह फ़ीचर फ़िल्म के रूप में और जो फ़ीचर फ़िल्म के रूप में प्रविष्ट होगी वह बाल फ़िल्म के रूप में प्रविष्ट नहीं हो सकेगी।

6. पुरस्कार जीतने वाली फ़िल्में सम्भवतः पुरस्कार वितरण समारोह के बाद सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले फ़िल्म समारोह में प्रदर्शित की जाएंगी।

देशराज खन्ना, उप-सचिव

श्रम रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय (पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली-11, दिनांक 30 जून 1967

संकल्प

सं० 25(3)/65 आर० एल० (1)—पूर्वी पाकिस्तान से आने वाले प्रव्रजक परिवारों को, जो भारत में 1-1-64 या उस के बाद आये और आवाजाही तथा सहायता शिविरों में भर्ती हुए, उनके शिविरों में ठहरने के दौरान में, नकद बेकारी अनुदान दिया जाता है। परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार नकद बेकारी अनुदान 30 रुपये के 75 रुपये मासिक तक दिया जाता है। सरकार से प्रतिनिवेदन किया गया था कि नकद बेकारी अनुदान की दरें, जो कि कुछ समय पहले तय की गई थीं, तब से अब तक खाद्य द्रव्यों के भावों में सविशेष वृद्धि को ध्यान में रखत हुये, बढ़नी चाहिए।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (2)—सरकार के विचार में नकद अनुदान की दरें बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि प्रव्रजकों को चावल और गेहूं 57 पैसा प्रति किलोग्राम सस्ती दर पर दिया जाता है। फिर भी 1964-65 की 72वीं प्राक्कलन समिति की सिफारिशों के आधार पर यह तय किया गया है कि

एक विभागीय समिति बिठाई जाय जो स्वागत/अन्तारोध केन्द्रों तथा आवाजाही/सहायता शिविरों में रहने वाले परिवारों को दिये जाने वाले नकद बेकारी अनुदान की दरों का पुनर्विलोकन करे तथा विचार करे कि इस विषय में और कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता है या नहीं।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (3)—विभागीय समिति की रचना निम्नलिखित रूप की होगी:—

- | | |
|---|--------|
| (क) श्री एस० के० सेन,
निदेशक, श्रम रोजगार तथा पुनर्वासि
मंत्रालय (पुनर्वासि विभाग)। | संयोजक |
| (ख) श्री सी० बैंकटरमनी
उप सचिव
विस्त मंत्रालय
(व्यय विभाग)। | सदस्य |
| (ग) श्री बी० एस० सराओ
सचिव,
आसाम सरकार
सहायता तथा पुनर्वासि विभाग। | सदस्य |
| (घ) श्री एस० सेन
अवर सचिव
खाद्य तथा कृषि मंत्रालय
(खाद्य विभाग)। | सदस्य |
| (ङ) कर्नल एस० पी० नन्दी
चीफ कमान्डेण्ट, माना समूह
आवाजाही केन्द्र। | सदस्य |

सं० 25(3)/65 आर० एल० (4)—श्री बी० एस० सराओ की सदस्यता की अवधि एक साल के लिये है। तत्पश्चात् यह सदस्यता उन अन्य राज्य सरकारों को एक के बाद दूसरे की दी जायेगी जहाँ के आवाजाही तथा सहायता शिविरों में प्रव्रजकों की काफी संख्या है।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (5)—समिति का कार्य-क्षेत्र विभिन्न आकार-प्रकार के प्रव्रजक परिवारों के लिये उन के स्वागत/अन्तारोध केन्द्रों तथा आवाजाही/सहायता शिविरों में ठहरने के दौरान उन को दिये जाने वाले नकद बेकारी अनुदान की दरों का समय-समय पर पुनरीक्षण करना होगा और यह विचार करना भी होगा कि इन रकमों में क्या संशोधन करना आवश्यक है।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (6)—समिति के सदस्य सरकारी अधिकार हैं और उन को यात्रा भत्ता तथा दैनिक भत्ता उम पर सामान्यतः लागू होने वाले नियमों के अधीन दिये जायेंगे।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (7)—समिति की बैठक आवश्यकता अनुसार बुलाई जायेगी। समिति का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा और समिति अपनी बैठकें साधारणतः नई दिल्ली में करेगी किन्तु विशेष अवसरों पर समिति अपनी बैठक दूसरे स्थानों पर भी, जैसा कि यह ठीक समझे, बुला सकती है।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (8)—समिति अपनी कार्य विधि स्वयं बनायेगी।

सं० 25(3)/65 आर० एल० (9)—समिति समय-समय पर सरकार को अपनी सिफारिशें भेजेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति निम्न-लिखित पतों पर भेज दी जाय :—

1. समिति के सब सदस्य।
2. वित्त मंत्रालय (श्रम तथा पुनर्वास), नई दिल्ली।
3. खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग), नई दिल्ली।
4. पुनर्वास सचिव, राज्य सरकार, आन्ध्र प्रदेश, आसाम, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल और त्रिपुरा।

5. चीफ कमान्डेंट, माना समूह के भवाजाही केन्द्रों, माना, रायपुर (मध्य प्रदेश)।

6. कमान्डेंट, भांसी समूह के शिविरों भांसी, जिला बस्तर (मध्य प्रदेश)।

7. चीफ कमिश्नर अण्डमान और निकोबार द्वीप, पोर्ट बलेयर।

8. सचिव, (पी० तथा डी०) नेफा, शिलांग।

9. सचिव, लोक सभा, नई दिल्ली।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राज पत्र में सर्व साधारण के सूचनार्थ प्रकाशित कर दिया जाये।

बी० पी० बागची, अपर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 1st July 1967

No. 45-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Balbir Bhaju,
Sub-Inspector of Police,
Cachar District,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Shri Balbir Bhaju conducted the defence of the outpost with skill and daring and foiled several attempts of the hostiles to capture it. He himself took up an L.M.G. and engaged the hostiles with accurate fire. Without regard for his personal safety, he moved about the outpost encouraging the defenders to face the hostiles with determination. Shri Bhaju displayed outstanding leadership and courage in the face of overwhelming odds.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 46-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Service Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the officer and rank

Shri Bhadra Kanta Keot,
Lance Naik, 1st Assam Police Battalion,
Assam.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and

subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Lance Naik Bhadra Kanta Keot was one of the few defenders who remained at the post throughout the attack. Despite heavy firing by mortars, rockets etc. Shri Keot bravely engaged the hostiles with rifle fire. Noticing a group of hostiles entrenched behind cover he attempted to throw a grenade, but was hit by a rocket and killed instantaneously.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 47-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Jagalal Tamang,
Constable No. 236,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Despite heavy mortar and rocket fire, Constable Jagalal Tamang kept up a steady fire with him L.M.G. When the post ran short of ammunition, he undertook the task of bringing ammunition from the ammunition bunker at some distance from his position. He made several trips to the ammunition bunker while the whole area was under heavy fire. While carrying ammunition, he was hit by a hostile rocket and killed.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 48-Pres./67.—The President is pleased to award the the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Gabbhu Chandra Barpatar,
Lance Naik,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

During heavy firing Lance Naik Gabbhu Chandra Barpatar remained at his post. When he observed that a hump close to his position was obstructing his field of fire, he climbed over the perimeter and opened fire at the hostiles with his L.M.G. knowing fully well that he was completely exposed to the hostile fire. He inflicted heavy casualties on the hostiles and checked their advance. While he was in the thick of the fight, he was hit by a rocket and succumbed to his injuries.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 49-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Rohini Kanta Roy,
Constable No. 50,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Constable Rohini Kanta Roy was the first in the outpost to sight the hostiles and raised an alarm. Within a few minutes of the alarm his post was hit by a rocket. Shri Roy quickly moved his L.M.G. to another position and engaged the hostiles. Throughout the subsequent action Shri Roy remained at his post and brought down accurate fire on the hostiles. During the heavy fighting, he was hit by a mortar bomb and his leg was blown off. In spite of his grievous injury Constable Roy refused first aid and kept on firing till the hostiles retreated.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966

No. 50-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Mohiram Konwar,
Havildar,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

During the attack Havildar Mohiram Konwar was assigned the task of guarding the rear west of the outpost in addition to guarding the ammunition bunker. He put up a heroic fight against heavy odds and kept the hostiles at bay. After some time when he found that the ammunition bunker was under heavy fire, he removed the entire stock of ammunition single-handed to a safe place. This timely action saved the much needed ammunition and helped the defenders to face the hostiles effectively. Shri Konwar stuck to his post till the hostiles retreated.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 51-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Budhi Bahadur Chetri,
Havildar, 1st Assam Police Battalion,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Havildar Budhi Bahadur Chetri who belonged to another platoon volunteered to look after the exposed flanks of the post without any assistance. During the attack, Shri Chetri moved from place to place along the perimeter firing at hostiles and created an impression that the defences of the camp were intact. He also helped to plug the gap in the frontal defences caused by casualties among the defenders. Shri Budhi Bahadur Chetri displayed courage and devotion to duty of a very high order. He exposed himself to imminent danger to his life a number of times and remained at his post till the hostiles retreated.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 52-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name of the Officer and rank

Shri Kanak Chandra Roy,
Constable No. 265,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Constable Kanak Chandra Roy was one of the few defenders who remained at the post throughout the attack. In the face of overwhelming odds Shri Roy showed indomitable courage and devotion to duty without any regard for his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th January, 1966.

No. 53-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police.

Name of the officer and rank

Shri Rup Ram Deka,
Constable No. 7845,
1st Assam Police Battalion,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th January, 1966 hostile elements about 500 strong and heavily armed with mortars, rocket launchers etc. attacked a border outpost in North Cachar Hills. The Post was manned by two platoons of the first Assam Police Battalion, under the command of Sub-Inspector Balbir Bhaju. The hostiles surrounded the post from three directions and subjected it to intensive fire. The post was set ablaze and most of the bunkers and inner stockades were demolished. The Police contingent, under the able leadership of Sub-Inspector Balbir Bhaju put up a heroic resistance and inflicted heavy casualties on the hostiles. But when the hostiles began advancing from several directions, most of the personnel of the outpost got dispersed. Sub-Inspector Bhaju, however, with a handful of policemen held on to the position and eventually repulsed the well planned attack.

Constable Rup Ram Deka was one of the few defenders who remained in the outpost throughout the attack. Although young in age and service, he displayed great courage and devotion to duty without concerned for his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 7th January, 1966.

The 3rd July 1967

No. 54-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name of the officer and rank

Shri Lilamber Rana,
Company Havildar Major,
5th Battalion (Assam),
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 14th April, 1966, a patrol under the command of Company Havildar Major Lilamber Rana was ambushed by about 100 hostiles near Somesori, Mizo Hills. Although heavily outnumbered and surrounded from all sides, the Company Havildar Major Rana did not lose his nerve. With cool courage he launched a counter attack with his small force of about one section and inflicted heavy casualties on the hostiles. By sheer bravery and daring, Shri Rana forced the numerically superior attackers to flee. A number of hostiles were captured with their weapons.

Company Havildar Major Lilamber Rana exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th April, 1966.

No. 55-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name of the officer and rank

Shri Prem Bahadur Thapa,
Company Havildar Major,
5th Battalion (Assam),
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

In March, 1966, hostile elements attacked Marpara Border outpost in Mizo Hills and made repeated attempts to overrun it. The hostiles were able to direct accurate fire on the Border Security Force post from an observation post nearby. Company Havildar Major Prem Bahadur Thapa decided to demolish the observation post himself. On the night of the 7th March, 1966, he crawled out to this observation post alone and succeeded in burning it down. This rendered the hostile completely ineffective. Again on the 28th March, Shri Thapa led a foray deep into the hostile held area and drew them into an encounter in which casualties were inflicted on them and several hostiles were captured with their arms.

During the above encounters, Shri Prem Bahadur Thapa exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 28th March, 1966.

No. 56-Pres./67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name of the officer and rank

Shri Lal Bahadur Sarki,
Constable No. 247,
5th Battalion (Assam),
Border Security Force.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 17th March, 1966, when a group of about 500 hostiles surrounded Marpara Border Output in Mizo Hills, the garrison of the post faced the attack with determination and repulsed repeated attempts of the hostiles to overrun it. During this encounter, Constable Lal Bahadur Sarki was manning an L.M.G. He handled his gun with such skill and accuracy that the hostiles were unable to get past him. Consequently his position was subjected to heavy hostile fire but Shri Sarki held his ground and continued to fight with great courage and determination till he was fatally wounded.

During the above encounter, Shri Lal Bahadur Sarki exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty.

2 This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 17th March 1966

No 57-Pres/67—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force :—

Names of the officers and ranks

Shri Khandra Prasad Chhetri,
Constable No 22, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force (Deceased)

Shri Kesh Bahadur Damai,
Constable No. 232, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force (Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 16th May, 1966 a reinforcement column which was approaching Bughun, Mizo Hills, came under heavy fire from hostiles. The column commander immediately launched a counter attack and inflicted heavy casualties and captured some arms and ammunition. During this encounter, Constable Khandra Prasad Chhetri displayed great courage and resolution. He rushed upon the hostiles in complete disregard of his personal safety and inflicted casualties on them. In the midst of this bold action he was hit by a bullet and killed.

Constable Kesh Bahadur Damai who was also a member of the column launched a single handed attack on one of the hostiles' positions and inflicted several casualties on them. In the midst of the encounter, he was severely injured. Although he could not move, Constable Damai took up position and went on firing on the hostile formations till he succumbed to his injuries.

Constable Khandra Prasad Chhetri and Constable Kesh Bahadur Damai exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of the highest order in the performance of which they laid down their lives.

2 These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 16th May, 1966

No 58-Pres/67—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force —

Names of the officers and ranks

Shri Padam Bahadur Gurung,
Sub-Inspector of Police,
5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Shri Sailendra Nath Banik,
Havildar, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Shri Phanadhar Thapa,
Constable No 85, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Statement of services for which the decoration has been awarded

In March 1966, the border outpost at Demagiri in Mizo Hills which was manned by one platoon of the 5th Assam Battalion, Border Security Force, was attacked by about 500 hostiles. The garrison of the outpost put up a strong resistance and kept the hostiles at bay, but they were running short of ammunition and supplies and these were air dropped on the 12th March. Unfortunately most of the supplies fell in an area dominated by the hostiles. As it was vital to recover these supplies, Sub-Inspector Padam Bahadur Gurung, with commendable courage and determination, launched an immediate attack on the area with a section of his platoon and succeeded in dislodging the hostiles.

During this operation, Havildar Sailendra Nath Banik and Constable Phanadhar Thapa engaged in a hand-to-hand fight with the hostiles and killed a number of them. In this encounter Shri Banik and Shri Thapa even snatched away the weapons of the hostiles which were aimed at them. By such courage and boldness the small police force was able to clear the area of the well entrenched hostiles.

Thus Sarvashri Padam Bahadur Gurung, Sailendra Nath Banik and Phanadhar Thapa exhibited conspicuous gallantry initiative and devotion to duty.

2 These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th March, 1966

No 59-Pres/67—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force —

Names of the officers and ranks

Shri Golok Chandra Koch,
Havildar, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Shri Bhim Bahadur Karki,
Havildar, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Shri Rai Singh,
Havildar, 5th Battalion (Assam),
Border Security Force

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 1st March, 1966, the Border Security Force post at Chawngte Mizo Hills was surrounded by about 300 hostiles elements. In spite of their concentrated attacks with automatic weapons from all directions, the hostiles could not over-run the post because of the brave resistance offered by the Police platoon. The hostiles then sealed off all approaches to the post and as there was no wireless communication it was not possible for the police platoon to contact their Headquarters. Rejecting calls to surrender Havildar Golok Chandra Koch decided to continue the fight against the hostiles. When supplies ran short, he introduced strict rationing of food stuffs and ammunition. Under his able leadership the small police force successfully beat back numerous attacks by the hostiles for 16 days. During this siege Shri Bhim Bahadur Karki and Shri Rai Singh led their sections with courage and determination in the defence of the outpost and eventually succeeded in driving off the hostiles.

Sarvashri Golok Chandra Koch, Bhim Bahadur Karki and Rai Singh exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty.

2 These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th March, 1966

V J MOORE, Dy Secy to the President

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 23rd June 1967

CORRIGENDUM

No 19/6/66 A.V.I(P) —In the list of Members of the Khadi and Village Industries Committee, specified in the Resolution published in the Gazette of India dated the 10th June, 1967, For "1 Shri Anantrao Patel" Read "1 Shri Anantrao Patil"

H K KOCHAR, Jt Secy

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

RESOLUTIONS

New Delhi the 28th June 1967

No 8-8/67-CC II—The Government of India have decided that the Director, Regional Office, Sugarcane Development, New Delhi shall be the Member-Secretary of the Indian Sugarcane Development Council in place of the Deputy Secretary in the Department of Agriculture as laid down in the Government of India Resolution No 6-8/65-Reorgn. (CC), dated the 21st December, 1965 constituting the Council.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments etc. and also that it be published in the Gazette of India for general information.

No. 7-14/67-Com. Crops II.—The Government of India have decided that the Director, Regional Office, Oilseeds Development, Hyderabad shall be the Member-Secretary of the Indian Oilseeds Development Council in place of the Deputy Secretary in the Department of Agriculture as laid down in the Government of India Resolution No. 6-1/65-Reorgn.(CC), dated the 16th April, 1966 constituting the Council.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, etc. and also that it be published in the Gazette of India for general informations.

S. I. MAJUMDAR, Additional Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 29th June 1967

No. F. 7-15/67-1.6.—The term of members of the Governing Council of the Indian School of Mines, Dhanbad whose appointment was notified in the Ministry of Education Notification No. F.7-17/64-T.1, dated the 22nd August, 1964, as amended from time to time, having expired on the 25th April, 1967, the Governing Council is recomposed as follows with effect from the 26th April, 1967 in accordance with the provisions of Resolution No. 315(1)/57-M.III, dated the 4th May, 1957 of the Government of India, Ministry of Steel, Mines and Fuel, as amended from time to time :—

Chairman

- (1) Shri G. K. Chandiamani, Educational Adviser (Technical) and Additional Secretary to the Government of India, Ministry of Education, New Delhi.

Members

- (2) Dr. D. P. Antia, Deputy Managing Director, Union Carbide India Ltd., Post Box 2170, Calcutta-1 (Nominee of the All India Council for Technical Education).
- (3) Shri R. N. Vasudeva, Joint Secretary, Ministry of Steel, Mines and Metals, (Department of Mines and Metals), New Delhi (Representative of the Ministry of Steel, Mines and Metals).
- (4) Shri G. N. Vaswani, Deputy Educational Adviser (Technical), Ministry of Education, New Delhi. (Representative of the Ministry of Education).
- (5) Dr. (Miss) Kaumudi, Deputy Financial Adviser (Education), Ministry of Finance, New Delhi. (Representative of the Ministry of Finance).
- (6) Representative of the Council of Scientific and Industrial Research—(To be notified later).
- (7) Dr. B. P. Gyani, Head of the Department of Chemistry, Ranchi University, Ranchi. (Representative of the Ranchi University).
- (8) Shri D. P. R. Cassad, The Central Provinces Syndicate Private Ltd., Dolly Dale, Byramji Town, Nagpur-1. (Non-official).
- (9) Shri S. K. Nargundkar, The Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudum Collieries P.O. Bhadrachellam Road Station (C. Rly.), Andhra Pradesh (Non-official).
- (10) Shri B. H. Engineer, The Tata Iron and Steel Co., Ltd., Jamadoba, Jealgora P.O. Dhanbad (Non-official).
- (11-12) (Vacant in the constituency of Five Non-official).
- (13-14) 2 Members of Parliament—one each from Rajya Sabha and Lok Sabha (To be notified later).
- (15) The Coal Mining Adviser, Ministry of Steel, Mines and Metals (Department of Mines and Metals). New Delhi (*Ex-officio*).
- (16) Director, Geological Survey of India, 27, Chowringhee Road, Calcutta-13 (*Ex-officio*).
- (17) Chief Inspector of Mines (Since re-designated as Director General of Mines Safety), Dhanbad (*Ex-officio*).
- (18) Prof. D. N. Prasad, Director, Indian School of Mines, Dhanbad (*Ex-officio*).

2. The Indian School of Mines, Dhanbad shall be converted into a Society under the Societies Registration Act, 1860 with effect from the 1st July, 1967. Under the provisions of the Memorandum of Association of the Society, the said Governing Council of the School functioning as such immediately before registration of the Society shall continue to so function and shall function as the Executive Board of the Society until an Executive Board is constituted for the School under the Rules and Regulations of the Society. But on the constitution of the Executive Board under the Rules, the members of the Governing Council holding office before such constitution shall cease to hold office. In this connection a Government Resolution has also been issued.

G. N. VASWANI, Dy. Educational Adviser (Tech.)

New Delhi, the 3rd July 1967

No. F. 16-3/67 YS-4.—In continuation of the Ministry of Education Notification No. F. 16-867 YS-4(PE-4) dated 12th May, 1967,

Shri A. K. Singh,
Principal,
Lakshmi Bai College of Physical Education,
Gwalior.

is nominated as *Ex-officio* Member of the Board of Governors of the Society for the Administration of the Central Institutes in the field of Physical Education and Sports with effect from June 24, 1967 and up to 16-8-1968, *vice* Dr. P. M. Joseph retired.

R. L. ANAND, Under Secy.

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. & T. Board)

New Delhi, the 4th July 1967

No. 29/1/67-LI.—On the results of Actuarial Valuation of the liabilities of the Post Office Insurance Fund as at the 31st March, 1966, the President is pleased to grant to the holders of Postal Life Insurance policies in force on the 31st March 1966, a simple reversionary bonus as an addition to and payable with the sum assured to be allowed for each full month during which the policies were in force between the 1st April, 1963 and 31st March 1966, at the rates given below :—

- (i) Whole Life Assurance Policies—Rs. 23 per thousand sum assured per annum.
- (ii) Endowment Assurance Policies—Rs. 17 per thousand sum assured per annum.

2. In the case of converted policies, bonus will be allotted to the respective policies, as they existed on the 31st March 1966.

3. (a) In respect of policies which resulted into claim between the 1st of April, 1966 and 31st March, 1967 (both days inclusive a bonus, to be paid for each full month during which such policies were in force during the period from the 1st April, 1966 to the date on which the claim arose, at the rate of Rs. 23 per thousand sum assured per annum in respect of whole life policies and at the rate of Rs. 17 per thousand sum assured per annum in respect of Endowment assurance policies, shall be allowed. In addition, a special bonus of Rs. 77 (Rupees seventy-seven) per thousand sum assured in respect of whole life policies and Rs. 33 (Rupees thirty-three) per thousand sum assured in respect of Endowment Assurance policies shall be paid on each of these policies irrespective of the period for which it was in force after the 1st April 1966.

(b) With effect from 1st April, 1967 the sum assured in respect of all the policies in force as on the 31st March 1967, shall be increased by 10 per cent in the case of Whole Life policies and 5 per cent in the case of endowment assurance policies. The above increases take into account the bonus for the year ending 31-3-1967 and as such these policies shall not get any further bonus for the year ending 31st March 1967. But in future the bonuses will be based on the increased sums assured.

(c) In respect of policies which resulted into or will result into claims by death or by survival between the 1st April, 1967 and the date of next valuation, bonus at the

following rates shall be paid for each full month during which such policies were or are in force during the period from 1st April, 1967 to the date on which the claim arose or arises :—

- (i) Whole Life Assurance policies—Rs. 23 per thousand sum assured per annum.
- (ii) Endowment Assurance policies—Rs. 17 per thousand sum assured per annum.

(d) The bonuses under (a) and (c) above will be based on the amount of the sum assured on the date of death or maturity. The policies surrendered between 1st April 1966 and 31st March 1967 (both days inclusive) shall be paid a bonus equal to the cash surrender value of the bonus at the rate of Rs. 23 per thousand sum assured per annum in the case of Whole Life policies and Rs. 17 per thousand sum assured per annum in the case of Endowment Assurance policies for such portion of the period that the policies were in force. They will not, however, be entitled to the Special Bonus as mentioned in (a) above. The policies surrendered or that may be surrendered between 1st April, 1967 and the date of next valuation shall be paid a bonus equal to the cash surrender value of the bonus as specified in (c) above for such portion of the period as the policies were in force after the 1-4-1967.

4. Fractions of a rupee shall be rounded off to the nearest (i.e. 50 paise or more being rounded off to the next higher rupee) while calculating the amount of bonus accrued under a policy.

S. K. GHOSH, Director (PLI & Compls.)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

National Awards for Films

New Delhi-1, the 29th June 1967

RESOLUTION

No. 7/1/67-F.I.—In supersession of the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 7/19/64-F.I dated the 21st November 1964, the following rules are notified concerning National Awards for films :—

1. These Rules may be called for the National Awards for films.

2. The object of these rules is to encourage the production of films of a high aesthetic and technical standard and of social, educational and cultural value.

3. Entries will be invited every year by a date to be specified in the Government of India notification and published in the gazette of India, for the following categories of awards:

ALL-INDIA AWARDS

1. FEATURE FILMS

(a) National best film

President's Gold Medal for the national best film and a cash prize of Rs. 20,000 to its producer and Rs. 10,000 to its director.

(b) Film based on high literary work

Cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rs. 5,000 to the director of the best film based on a high literary work, contemporary or classics including romance of high aesthetic value.

(c) Historical film

Cash Prize of Rs. 10,000 to the producer and Rs. 5,000 to the director of the best historical film.

(d) Film producing National Unity and Emotion Integration

Cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rs. 5,000 to the director of film aimed at promoting national unity and emotional integration.

(e) Film with social and national purpose themes

Cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rs. 5,000 to the director of the best film based on a theme of high social and national purpose; for example, eradication of untouchability, propagating the message of peace and non-violence, virtues of democratic ways of life, co-operative development, etc.

(f) Film on Family Planning

Cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rs. 5,000 to the director of the best film on family planning.

(g) Maiden Film

Cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rs. 2,500 to the director of the best maiden film.

(h) Screen-Plays

Cash prize of Rs. 2,500 to the best screen-play writer and/or story writer in respect of feature films entered for the awards and examined by the Committee of Awards. Where the screen-play-writer and the story writer are two different persons, the award will be distributed equally to both.

NOTE 1.—Feature films entered in any of the categories mentioned at (b) to (g) of this rule will be eligible to compete for the award for the national best film under Rule 3(I)(a) above. A film winning this award will, however, not be entitled to any award in the categories in sub-rules 3(b) to 3(g).

NOTE 2.—Awards under categories (c) and (g) will be operative from the year 1968 i.e. films produced in the year 1967 will be considered for these awards.

II. DOCUMENTARY FILMS

President's Gold Medal for the best film and a cash prize of Rs. 5,000 to its producer and Rs. 2,500 to its director.

III. EDUCATIONAL FILMS

President's Gold Medal for the best film and a cash prize of Rs. 5,000 to its producer and a cash prize of Rs. 2,500 to its director.

IV. EXPERIMENTAL FILMS

Cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rs. 2,500 to the director of the best experimental film.

V. CHILDREN'S FILMS

Prime Minister's Gold Medal for the best film and a cash prize of Rs. 10,000 to its producer and Rs. 5,000 to its director.

VI. REGIONAL AWARDS

President's Silver Medal for the best feature film in each Indian language.

Explanation

The terms 'producer', 'director' and 'screen-play writer' 'story writer' used herein will be construed as referring to the producer, director or screen-play writer/story writer as the case may be, as given in the credit titles of the film duly certified by the Central Board of Film Censors.

3. Government may, at its discretion, give the cash prize in the form of National Defence Certificates and Defence Deposit Certificates or any other similar certificates issued by the Government of India.

4. All Indian films certified for public exhibition by the Central Board of Film Censors in the preceding calendar year will be eligible for entry, which may be made by the producer or any other duly authorised person in the form contained in the schedule hereto annexed.

Provided that a film will be entered for awards only in one of the categories of feature films mentioned under rule 3(I)(b) to (g), Documentary, Educational, Experimental and Children's films.

5. Every application for entry in respect of a feature film shall be accompanied by an entry fee of Rs. 100 which shall not be refundable.

Each entrant will submit at his cost to such Regional Officer of the Central Board of Film Censors or to any other authority as may be specified :

(i) a print of the film, and

(ii) a copy of the synopsis, together with an English or Hindi rendering thereof and a copy of the songs, if any, together with their free translation in English or Hindi.

The entrant of a film selected for viewing by the Central Committee will submit at his cost the required number of copies of the detailed dialogue, script in English or Hindi as

well as publicity material relating thereto, in addition to the print and synopsis of the film.

6. The decision of the Government of India whether a film is eligible to be entered for the Awards and whether any film is a feature film, documentary film, educational film, experimental film or children's film for the purpose of entry for the Awards will be final.

The maximum length of a children's film for the purpose of entry for the Awards shall be 3,400 metres in 35 mm or 1,360 metres in 16 mm.

7. A film which is a dubbed version, retake or an adaptation of a film which has already won a State/National Award will not be eligible for consideration for the National Awards. The producer of a film made in more than one language version may enter only one of the versions of that film.

8. Entries for the Awards will be invited by Government during a period to be notified, relaxable in exceptional cases at the discretion of Government.

9. All transport costs on the consignment and return of the films and publicity material will be payable by the entrant.

10. All films will be submitted at owner's risk and while the Government will take every reasonable care of the films submitted, it cannot accept responsibility for loss or damage to the film while in its possession.

11. There will be a Primary Committee consisting of not more than 5 members, including the Chairman, appointed by Government for each of the languages indicated below :—

Assamese, Bengali, English, Gujarati, Hindi (including Urdu and Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani, Maithili), Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi (including Konkani), Oriya, Punjabi, Sindhi, Tamil and Telugu.

If the number of entries in a particular language is not more than 3 no Primary Committee for that language will be constituted and such entries will be viewed direct by the Regional Committee concerned. The members including the Chairmen of the Primary Committees, will be nominated by Government and will consist of persons distinguished in the fields of art or literature who are qualified to judge the aesthetic and technical standard of the films.

12. Each Primary Committee will recommend in order of merit up to five feature films in each category mentioned under Rule No. 3(1)(b) to (g) in each language, for the consideration of the Regional Committee.

13. The following Regional Committees appointed by Government will examine feature films recommended by the Primary Committees as well as films in the languages in which the number of entries is not more than three :—

(i) Regional Committee at Bombay—Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Punjabi, Kashmiri, Gujarati, Sindhi and English.

(ii) Regional Committee at Calcutta—Bengali, Assamese and Oriya.

(iii) Regional Committee at Madras—Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

14. Each Regional Committee will be composed of :

(a) A Chairman, nominated by Government.

(b) Not more than 6 persons distinguished in the fields of film appreciation, art or literature, nominated by Government. (Care will be taken to ensure that all the languages of the regions are represented in the selection of these persons.)

(c) Persons, not exceeding 3, qualified to judge technical standard, presentation, direction and treatment values of films, nominated by Government from a panel of names representing the industry.

15. The Regional Committees will recommend in order of merit :—

A list of not more than 3 feature films in each category from the region, irrespective of their language and a list of 3 screen-play writers for consideration by the Central Committee for all-India Awards. For the purpose of this rule each category of films referred to in rule 3(1) (b) to (g) will be treated as a separate category.

16. The Regional Committee will also recommend to the Central Government a feature film in each language for regional awards.

17. The documentary and the experimental films entered for the Awards will be initially examined by a Documentary and Experimental Films Committee appointed by Government, with membership not exceeding five including Chairman. This Committee will recommend, in order of merit, up to six documentary films and up to six experimental films for consideration by the Central Committee.

18. The educational films entered for the Awards will be initially examined by an Educational Films Committee appointed by Government with membership not exceeding five including the Chairman. The Committee will recommend, in order of merit, up to six educational films for consideration by the Central Committee.

19. The Central Committee will be composed of :

(a) A Chairman nominated by Government.

(b) Not more than six distinguished persons in the fields of film appreciation, art or literature nominated by Government.

(c) Persons, not exceeding three, qualified to judge presentation, direction and treatment values of films, nominated by Government from a panel of names representing the industry.

(d) The Central Committee will, subject to the provisions of these rules, also examine the children's films entered for the awards.

If the number of entries, in the category of children's films so warrants, Government may entrust the initial examination of films to the Documentary and Experimental Films Committee or a Special Committee constituted for the purpose consisting of not more than five members including the Chairman which will recommend, in order of merit, not more than six films for consideration by the Central Committee.

20. Notwithstanding anything contained in rules 14 and 19, Government may co-opt on the Central or a Regional Committee such number of additional members as may, in its opinion, be considered necessary to ensure adequate availability of members knowing each language in which films are to be adjudged by such Committee. Further nothing contained in rules 17 and 18 shall preclude co-option of an additional member or members to assist the Documentary and Experimental Films Committee and the Educational Films Committee. The members so co-opted shall have all the rights of an ordinary member.

21. The membership of the Central, Documentary and Experimental films, Educational, Regional and Primary Committees or Special Committee, if constituted, will be honorary but members may be allowed such travelling and conveyance allowances as may be sanctioned by Government from time to time.

22. The Central Committee and the Regional Committee will have the power to call for and examine any film not recommended by the Regional Committees or the Primary Committees as the case may be and consider such film(s) for an all-India or a Regional Award.

23. The Central Committee will consider the recommendations of the Regional Committees, Educational Films Committee and the Documentary and Experimental Films Committee and the Special Committee (if constituted) and submit its recommendations to the Central Government in respect of the following all-India awards :—

(1) The best feature film in each of the categories mentioned in Rule 3(a) to (g) for all-India Awards. The film adjudged as national best will, however, not be entitled to any award in the categories in sub-rules 3(b) to 3(g);

(2) The best screen-play writer and/or story writer;

(3) The best documentary film;

(4) The best educational film;

(5) The best experimental film; and

(6) The best children's film.

24. The Primary Committees, the Regional Committees, the Documentary and Experimental Films Committee, the Educational Films Committee, the Special Committee (if

constituted) and the Central Committee may determine their own procedure for the examination of films.

25. The quorum of the Primary Committees, the Regional Committees, the Documentary and Experimental Films Committee, the Educational Films Committee, the Special Committee (if constituted) and the Central Committee shall be not less than half the number of members including co-opted members.

26. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of a Primary Committee, a Regional Committee, the Documentary and Experimental Films Committee, the Educational Films Committee, Special Committee (if constituted) or the Central Committee from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the screen-play writer/story writer of the feature films examined by a Primary Committee or a Regional Committee or the Central Committee is of a standard adequate for an Award.

27. The Central Government will decide the all-India and the Regional Awards on the basis of the recommendations submitted by the Central Committee and the Regional Committees.

28. A film will be eligible for an award only in one of the categories of feature films mentioned in rule 3(i)(a) to (g), documentary, educational experimental or children's films. A feature film receiving an all-India Award shall not be eligible for a Regional Award.

29. The Primary Committees, the Regional Committees, the Documentary and the Experimental Films Committee, the Educational Films Committee, the Special Committee (if constituted) and the Central Committee will examine films at such place and time as may be considered feasible.

30. Government shall be entitled to retain without payment of cost the print entered for the Awards of a film which receives an Award in the form of a medal and/or cash.

31. The Awards will be made annually at a function for the presentation of the Awards which will be held at such place and on such date as Government may determine.

32. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to disqualification for Awards. Any member of the Central Committee, Documentary and Experimental Films Committee, Educational Films Committee, the Special Committee (if constituted), the Regional Committees or the Primary Committees found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Committees.

SCHEDULE

FORM

For entry for the National Awards for Films

(To be submitted in duplicate)

(See rule 3)

To

The Regional Officer,
Central Board of Film Censors,
Bombay/Calcutta/Madras.

ENTRY FOR NATIONAL AWARDS FOR FILMS

1. (i) Title of the film.
- (ii) Classification : Feature/documentary/educational/experimental/children's film.
- (iii) If it is a feature film indicate the particular category in which it is proposed to enter *vide* rule 3(I).
- (iv) Language of the film.
- (v) Length and gauge of the film.
- (vi) Number of reels.
- (vii) Black and White/Colour.
- (viii) Name and full address of the producer (with telephone number and telegraphic address, if any).
- (ix) Name and full address of the director.
- (x) Name and full address of the screen-play writer/story-writer.
- (xi) Name and full address of the leading male artist and leading female artist.

(xii) Number and date of Certificate of Exhibition issued by the Central Board of Film Censors.

(xiii) Date of Release.

2. Please state whether the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film. If so, give particulars of the film of which it is a dubbed version, an adaptation or a retake.

3. *Where the person making the entry is not the producer, please state whether he has been duly authorised to make the entry.

4. *I certify that the film is not a dubbed version, a retake or an adaptation of a film which has already won a State National Award.

5. *I further certify that the statements made above are true to the best of my knowledge and belief.

6. *I hereby agree to the Government retaining the print of the film without payment of cost, in the event of its receiving an Award in the form of a Medal and/or Cash.

7. *I have no objection to the screening of the film before the public and through the sale of tickets if it wins an award, all-India or Regional, in the national festival of films that Government may organise after the National Awards function. I also understand that the sale proceeds from the sale of tickets for these screenings will be credited to the Government revenues.

Date :

Place :

Signature

Address

* Delete if not applicable.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. R. KHANNA, Dy. Secy.

PUBLIC NOTICE

National Awards for Films

New Delhi-1, the 3rd July 1967

No. 7/48(i)/66-FI.—In pursuance of rule 8 of the Rules concerning National Awards for Films notified in the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 7/1/67-FI dated 29th June 1967, entries for the National Awards for Films are hereby invited in respect of the following categories of Indian films certified for public exhibition during the calendar year 1966 :—

I. Feature Films

1. Films based on a high literary work, contemporary or classics including romance of high aesthetic value.
2. Films promoting National Unity and Emotional Integration.
3. Films with social & national purpose themes.
4. Films of Family Planning.

II. Documentary Films

III. Educational Films

IV. Experimental Films

V. Children's Films

2. The entries in respect of one of the categories of feature films as mentioned above as well as in other categories may be made by the producer(s) or any other person(s) duly authorised by him (them) in this behalf, up to July 20, 1967. The entries should be made in duplicate in the form prescribed in the Schedule annexed to the Rules referred to above. The entry forms in the case of feature films shall be accompanied by a Treasury Chalan in respect of the entry fee of Rs. 100 (Rupees one hundred) only credited to Central Government Account under the Major Head LII-Miscellaneous.

3. Entries in respect of the various categories of films should be addressed to the authorities indicated below :—

(a) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, 91-Walkeshwar Road, Bombay-6

- (i) Feature films in Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili) Punjabi, Kashmiri, Gujarati Marathi (including Konkani), Sindhi and English.
- (ii) Documentary films in all languages.
- (iii) Experimental Films in all languages.
- (iv) Children's films in all languages.
- (v) Educational Films in all languages.
- (b) The Regional Officer, Central Board of Film Censors, All India Radio Building, Eden Gardens, Calcutta-1.
Feature Films in Bengali, Oriya and Assamese
- (c) Regional Officer, Central Board of Film Censors, Block III, V Floor, Central Building, 35-Haddaws Road, Madras.
Feature films in Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

4 An entrant of the feature film may please submit, at his cost, to the appropriate Regional Officer of the Central Board of Film Censors or to any other authority as may be specified, a good print of the film and such number of copies of the synopsis and songs together with an English or Hindi rendering thereof as may be specified in this behalf. The entrant of a film selected for viewing by the Central Committee will submit at his cost the specified number of copies of the detailed dialogue script in English or Hindi as well as publicity material relating thereto in addition to the print and synopsis of the film

5. The length of a children's films should not exceed 3 400 metres in 35mm or 1,360 metres in 16mm for the purpose of entry for the Awards. A film entered as a Children's film will not be eligible for entry as a feature film or *vice versa*.

6 The films winning the Awards are likely to be exhibited at a festival of films to be organised by Government following the function for distribution of the Awards.

D. R. KHANNA, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

RESOLUTION

New Delhi-11, the 30th June 1967

No 25(3)/65-RLI.—The families of migrants from East Pakistan, who entered India on or after 1-1-1964 and secured admission to transit and relief camps, are paid cash doles during the period of their stay in those camps. The scales of cash doles range between Rs. 30 and Rs. 75 per month, depending upon the size of the family. It was represented to the Government that the scales of cash doles, which were prescribed quite some time ago, would need an upward revision in view of the substantial rise in the cost of foodstuffs since then.

2. The Government feel that, with the provision of rice and wheat to these migrants at a uniform subsidized rate of 57 paise per kilogram, the need for an upward revision of the scales of cash doles may not arise. However, it has been decided on the recommendations contained in the 71st Report of the Estimates Committee (1964-65) to set up a Departmental Committee to review periodically the scales of cash doles, paid to migrant families in reception/interception centres and transit/relief camps, and to consider what further action, if any, in this direction is needed.

3 The composition of the Departmental Committee will be as follows :—

Convener

- (1) Shri S. K. Sen, Director, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Rehabilitation).

Members

- (2) Shri C. Venkataramani, Deputy Secretary, Ministry of Finance, (Department of Expenditure).
- (3) Shri B. S. Sarao, Secretary to the Government of Assam, Relief and Rehabilitation Department.

- (4) Shri S. Sen, Under Secretary, Ministry of Food & Agriculture, (Department of Food).
- (5) Colonel S. P. Nandy, Chief Commandant, Mana Group of Transit Centres.

4 The term of membership of Shri B. S. Sarao is for a period of one year. Thereafter, this membership will be rotated among the other State Governments, which may have a sizable migrant population in the transit and relief camps located in their areas.

5. The terms of reference to the Committee will be to review *periodically* the scales of cash doles, prescribed for migrant families of different compositions during the period of their stay in reception/interception centres and transit/relief camps and to consider whether these scales need any revision

6. The members of the Committee are Government officials and, in the matter of T.A. and D.A., will be governed by the rules normally applicable to them.

7 The Committee will meet as often as considered necessary. The headquarters of the Committee will be in New Delhi, and the Committee will normally hold its meetings in New Delhi. On special occasions, however, the Committee may meet at such other places as it deems fit.

8. The Committee will evolve its own procedure of work.

9. The Committee will submit its recommendations to the Government from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to —

1. The Members of the Committee.
2. Ministry of Finance (L&R), New Delhi.
3. Ministry of Food & Agriculture. (Department of Food), New Delhi.
4. The Rehabilitation Secretaries of the Governments of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Uttar Pradesh West Bengal and Tripura.
(As per list of addresses attached).
5. The Chief Commandant Mana Group of Transit Centres, Mana, Raipur (M.P.).
6. The Commandant, Bhansi Group of camps, Bhansi, District Bastar (M.P.).
7. The Chief Commissioner, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair.
8. The Secretary (P&D), NEFA, Shillong.
9. The Lok Sabha Secretariat, New Delhi.

ORDERED also that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. P. BAGCHI, Additional Secy.

(Department of Labour and Employment)

RESOLUTION

New Delhi, the 3rd July 1967

No WB-15(3)/65.—In partial modification of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation Resolution No. WB-15(1)/64, dated the 28th May, 1966, Shri S. Dutt Mazumdar is appointed as a Member representing employers on the Central Wage Board for the Electricity Undertakings in place of Shri S. N. Ray.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

HANS RAJ CHHABRA, Under Secy.